শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 190 | गुवाहाटी | सोमवार, 10 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर : पुलिस चौकी पर अज्ञात बंदूकधारियों का हमला पेज 2
पूर्व सैनिक पुनर्मिलन रैली ईएसएम संघ की वर्षगांठ आयोजित पेज 3
दिल्ली चुनाव में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद कांग्रेस को फिर याद आए हिंदू... पेज 5
त्रिकोणीय सीरीज के पहले ही मैच में रचिन रविंद्र चोटिल हुए पेज 7

सीएम आज जाएंगे सिंगापुर व्यापार सम्मेलन को देंगे बढ़ावा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पूर्वोत्तर राज्य में आगामी निवेशकों की बैठक को बढ़ावा देने के लिए सोमवार से सिंगापुर की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। शर्मा ने कहा कि इस दौरान राज्य को उन्नत उद्योगों और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में प्रदर्शित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल से मैं अगले दो दिनों के लिए सिंगापुर में रहूंगा, जहां मैं एडवांटेज असम को बढ़ावा दूंगा, जिसमें सेमीकंडक्टर, डीप टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में राज्य की बढ़ती क्षमता पर प्रकाश डालूंगा। उनकी यात्रा के दौरान रणनीतिक सहयोग और निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए उद्योग जगत के नेताओं के साथ एक रोड शो और आमने-सामने की बैठकें भी आयोजित की जाएंगी। शर्मा ने कहा कि मुख्य ध्यान असम को उन्नत उद्योगों और नवाचार के उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने पर होगा। गुवाहाटी में दो दिवसीय *एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन* 25 फरवरी से आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना है। शर्मा और उनके कैबिनेट सहयोगी विभिन्न राज्यों और देशों के संभावित निवेशकों से मिल रहे हैं और उन्हें शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

एडवांटेज असम 2.0 से पहले डिब्रूगढ़ कार्यशाला में 800 से अधिक उद्यमियों ने लिया हिस्सा

डिब्रूगढ़। बहुप्रतीक्षित एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन की प्रस्तावना में, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों के 800 से अधिक उद्यमियों, स्टार्ट-अप संस्थापकों, उद्योगपतियों, चाय बागान मालिकों और कृषिविदों ने रविवार को डिब्रूगढ़ जिला पुस्तकालय सभागार में एक तैयारी कार्यशाला में भाग लिया। 25 और 26 फरवरी को गुवाहाटी के खानापारा असम पशु चिकित्सा महाविद्यालय के खेल के मैदान में होने वाले आगामी शिखर सम्मेलन ने काफी चर्चा पैदा कर दी है क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी और 300 घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उद्योगपति इस

कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं। इस आयोजन का उद्देश्य असम की निवेश क्षमता को प्रदर्शित करना और भारत के अग्रणी विकसित राज्यों में से एक बनने की दिशा में इसकी यात्रा को तेज करना है। कार्यशाला का उद्घाटन करने वाले परिवहन मंत्री जोगेन मोहन ने क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता पर जोर दिया। मोहन ने कहा कि डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया को असम के औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरना चाहिए। परिवर्तन के लिए यह सही समय है और व्यापार शिखर सम्मेलन स्थानीय उद्यमियों के लिए इस विकास की कहानी *-शेष पृष्ठ दो पर*

गृहमंत्री ने जवानों के बलिदान पर जताई संवेदना, कहा-

एक साल में देश से खत्म कर देंगे नक्सलवाद

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 2 जवानों के बलिदान होने पर भावपूर्ण संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि एक साल में देश से नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर देंगे। सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

ने कहा कि नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में बड़ी सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को ढेर करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार और *-शेष पृष्ठ दो पर*

सीएम बीरेन सिंह ने दिया इस्तीफा हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

नई दिल्ली। मणिपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अपने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने आज राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की और इसके बाद अपना त्याग पत्र उनको सौंप दिया। आज ही मणिपुर के सीएम बीरेन सिंह ने दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाताक की थी। इस मुलाकात के बाद वह इंफाल लौटे और अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया। बता दें पिछले कई महीनों से मणिपुर में हिंसा का दौर जारी है। इस बीच

उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने अपने त्यागपत्र में कहा कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर : पुलिस चौकी पर अज्ञात बंदूकधारियों का हमला

हथियार और गोला-बारूद लेकर भागे

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) की चौकी को निशाना बनाते हुए हथियार लूट लिए। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार रात जिले के काकमाई इलाके में बंदूकधारी वाहनों में सवार होकर आए और आईआरबी चौकी से हथियार लूट लिए। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारी थौबल जिले के काकमाई में कई वाहनों में सवार होकर आए थे। इस दौरान उन्होंने एक चौकी से आईआरबी और मणिपुर राइफल्स के जवानों से कम से कम छह एसएलआर और तीन एके राइफलें लूट लीं। इसके अलावा करीब 270 गोला बारूद और 12 मैगजीन भी लूटी गईं। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी बंदूकधारी मौके से फरार हो गए। इस घटना से अफरा-तफरी मच गई। घटना की जांच की जा रही है। हथियारबंद लोगों की तलाश के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाकर्मी जग-जगह तलाशी अभियान चला रहे हैं। हर आने-जाने वाले वाहनों की तलाशी ली जा रही है साथ ही लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। इस बीच मणिपुर पुलिस मे इंफाल पश्चिम जिले से तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को एक अधिकारी ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शनिवार को प्रतिबंधित समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-पाम्बेई) के दो उग्रवादियों को जिले के नारनकोन्जिल इलाके से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक ।32 पिस्तौल और 3,120 रुपए नकद जब्त किए गए हैं। बताया जा रहा है कि दोनों उग्रवादी जबरन वसूली की गतिविधि और हथियारों व गोला-बारूद की अवैध तस्करी में भी शामिल थे। इसके अलावा शनिवार को जबरन वसूली की गतिविधि में शामिल प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक उग्रवादी को कांगजाबी लीराक माचिन इलाके से गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस इस तीनों ही उग्रवादियों से पूछताछ करने में जुटी है साथ ही इनके अन्य साथियों के बारे में पता कर रही है।

होजाई में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, दो गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। होजाई पुलिस ने नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि अपराधियों के पास से 11 प्लास्टिक वायल में संदिग्ध हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने मामले में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और आगे की जांच जारी है।

गुवाहाटी में 25 ग्राम हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की पलटन बाजार थाना की सीजीपीडी टीम ने बी बरुवा रोड फ्लाईओवर के पास एक ठिकाने पर छापेमारी कर बाघबर निवासी जहेरुल इस्लाम (23) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 18 वायल हेरोइन (25 ग्राम) और 20 रुपए नकद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कामरूप (मेट्रो) में जिला स्तरीय खेल महारण का समापन

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग की पहल और कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित जिला स्तरीय खेल महारण का आज समापन हुआ। यह दो दिवसीय आयोजन सरूसजाई स्टेडियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विजयी प्रतिभागियों को कामरूप (मेट्रो) जिले के अतिरिक्त उपायुक्त (खेल) केचिओ करण पेगु, जिला खेल अधिकारी पुष्पेंदु दास, जालुकबाड़ी अंचल के सहायक आयुक्त नवज्योति नाथ, न्यू गुवाहाटी अंचल की सहायक आयुक्त हेमप्रभा कलिता सहित आमंत्रित अतिथियों ने स्वर्ण, रजत, कांस्य पदक और ट्रॉफी प्रदान किए। गौरतलब है कि इस जिला स्तरीय खेल महारण में विधानसभा क्षेत्रों से चुने गए 1040 खिलाड़ियों ने भाग लिया। साथ ही, जिला स्तर के विजयी खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री हिमंत की मुकेश और अनंत अंबानी से मुलाकात

सदगुरु जग्गी वासुदेव से भी की भेंट

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट कर जानकारी साझा कि है कि उन्होंने, कल मुकेशभाई अंबानी और अनंत अंबानी के साथ बहुत अच्छी मुलाकात हुई और मैं उनके समय की सराहना करता हूं। हमने असम को इंडस्ट्री 4.0 के लिए भारत के अगले केंद्र के रूप में स्थापित करने पर गहन चर्चा की और इस परिवर्तनकारी यात्रा में रिलायंस हमारे साथ किस तरह से सहयोग कर सकता है, इस पर विचार किया। हिमंत विश्व शर्मा ने एक दूसरे ट्वीट में लिखा कि श्री सद्गुरु जग्गी वासुदेव जी से मिलना हमेशा एक गहन समृद्ध अनुभव होता है। उनकी बुद्धिमत्ता, आध्यात्मिक मामलों पर स्पष्टता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण वास्तव में प्रेरणादायक हैं। आज सुबह उनसे मिलकर खुशी हुई।

अविश्वास प्रस्ताव का माहौल भांप एन. वीरेन ने दिया सीएम पद से इस्तीफा : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन के इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस पार्टी ने कहा कि यह इस्तीफा ऐसे ऐन वक्त से पहले आया है, जब कांग्रेस विधानसभा में उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए पूरी तरह से तैयार थी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने आज शाम यहां कहा कि कल मणिपुर विधानसभा में मुख्यमंत्री एन. बीरेन और उनके मंत्रिपरिषद के खिलाफ कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पूरी तरह तैयार थी। माहौल को भांपते हुए मणिपुर के मुख्यमंत्री ने अभी-अभी इस्तीफा दिया है। यह एक ऐसी मांग थी, जो कांग्रेस मई 2023 की शुरुआत से कर रही थी, जब मणिपुर में उथल-पुथल का आगाज हुआ था। जयराम रमेश ने कहा कि एन. बीरेन का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा काफी देर से हुआ। मणिपुर के लोग अब हमारे फ्रिक्वेंट फ्लायर पीएम के दौरे का इंतजार कर रहे हैं, जो अब फ्रांस और अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं और जिन्हें पिछले 20 महीनों में मणिपुर जाने के लिए न तो समय मिला है और न ही इच्छा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने इस ताजा घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जब कांग्रेस पार्टी एन. बीरेन को सही समय पर हटाने की मांग कर रही थी, तब उन्हें नहीं हटाया गया। वहां दोनों समुदायों (कुकी और मैतेयी) के बीच हमेशा के लिए दरार पैदा हो गई है। यह सरकार इतने लंबे समय तक नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सब कुछ लुटाकर होश में आए तो क्या हुआ...। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब ने कहा कि कितनी शर्म की बात है कि जिस मणिपुर के मुख्यमंत्री और उसकी सरकार को कई महीने पहले ही बर्खास्त कर हालात को ठीक किया जाना चाहिए था, उसे इतने महीनों तक सरकार चलाने दिया गया और आज जाकर इस्तीफा हुआ।

दिव्य-भव्य महाकुंभ में सनातन आस्था की डुबकी लगाएंगी राष्ट्रपति

महाकुंभ नगर (हि.स.)। प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदम रखेंगी और इसकी भव्यता व दिव्यता की साक्षी बनेंगी। वह आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी। वह संगम स्नान के साथ ही अक्षयवट और बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगी। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू सुबह संगम नोज पहुंचकर त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगी। मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में राष्ट्रपति आस्था की डुबकी लगाकर सनातन आस्था को मजबूत आधार देंगी। देश की प्रथम नागरिक का संगम में पावन डुबकी लगाने का यह ऐतिहासिक क्षण होगा। बता दें कि इससे पहले भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने भी महाकुंभ में पावन स्नान किया था। राष्ट्रपति इसके उपरांत धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। यह हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जिसकी महत्ता पुराणों में भी वर्णित है। इसके अलावा वह बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। आधुनिक भारत और डिजिटल युग के साथ धार्मिक आयोजनों को जोड़ने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल को राष्ट्रपति समर्थन देंगी। वे डिजिटल महाकुंभ अनुभव केंद्र का अवलोकन करेंगी, जिसमें महाकुंभ मेले की विस्तृत जानकारी तकनीकी माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही है।

दक्षिणी मेक्सिको में हादसा, 41 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी (हि.स.)। दक्षिणी मेक्सिको में हुई एक बस दुर्घटना में शनिवार को कम-से-कम 41 लोगों की मौत हो गई है। यात्रियों से भरी बस एक ट्रक से टकरा गई। जिसके बाद बस पूरी तरह खाक हो गई। बस कैनकन से टबैस्को की तरफ जा रही थी और बस ऑपरेटर के मुताबिक इसमें 48 यात्री सवार थे। दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। टबैस्को प्रशासन का कहना है कि घटनास्थल पर राहत कार्य चलाया जा रहा है।

हार के बाद आप की पहली बैठक, केजरीवाल ने बताया आगे का प्लान

निभाएंगे विपक्ष की भूमिका : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को नवनिर्वाचित विधायक सहित दूसरे नेताओं के साथ बैठक की। बैठक के दौरान केजरीवाल ने सभी को मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने का आदेश दिया। साथ ही पार्टी को आगे मजबूत रखने को कहा। बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि पार्टी के सभी विधायकों को एक मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाने के साथ-साथ उन्हें अपने क्षेत्र की जनता की सेवा में जुटने का निर्देश दिया गया है। आम आदमी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि भाजपा अपने वादे के अनुसार पहली कैबिनेट बैठक में महिलाओं को 2500 रुपए प्रतिमाह देने की स्कीम पास कर 8 मार्च तक उनके खाते में डाले। हम भाजपा की जवाबदेही भी तय करेंगे कि दिल्लीवालों को 200 यूनिट बिजली, सभी सुविधाओं के साथ सरकारी स्कूल, मोहल्ला क्लीनिक और अस्पतालों में सुविधाएं पहले की तरह मिलती रहेगी। इस बैठक में सांसद संजय सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) व सांसद डॉ. संदीप पाठक और दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय समेत अन्य नेता शामिल हुए। आतिशी ने कहा कि चुनाव परिणामों को लेकर अभी विश्लेषण जारी है। इसमें पार्टी के हार के कारणों पर चर्चा होगी। पार्टी जनता के जनादेश का सम्मान करती है। इस चुनाव में कुछ निष्पक्ष नहीं हुआ।

हैम रेडियो ऑपरेटरों ने पकड़े संदिग्ध सिंग्नल देश में बढ़ी चरमपंथी गतिविधियों की चिंता

कोलकाता (हि.स.)। दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हैम रेडियो ऑपरेटरों द्वारा पकड़े गए संदिग्ध सिग्नलों ने चरमपंथी गतिविधियों की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो महीनों में विशेष रूप से बांग्ला, उर्दू और अरबी में कोडित संदेशों का पता चला है, जो कि रात के समय में दर्ज किए गए हैं। इन सिग्नलों की पहचान पहली बार दिसंबर 2024 में हुई, जब उत्तर 24 परगना जिले में शौकिया रेडियो संचालकों ने अनाधिकृत संचार को पकड़ा। इसके बाद सिग्नल को ट्रैक करने की जिम्मेदारी कोलकाता के अंतर्राष्ट्रीय निगरानी स्टेशन को सौंपी गई। हैम रेडियो ऑपरेटर जिन्हें केंद्रीय संचार मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त होता है, इन संदिग्ध संचारों की जानकारी संचार मंत्रालय को पहुंचा रहे हैं। पश्चिम बंगाल रेडियो क्लब के सचिव अंबरीश नाग विश्वस ने बताया कि ये सिंग्नल रात के एक से तीन बजे के बीच प्राप्त होते हैं। जब भी उन्होंने संचार करने वालों से उनकी पहचान पूछी तो वे चुप हो गए। इस घटना को बांग्लादेश में जारी अशांति और बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों के संदर्भ में देखा जा रहा है। भारत और बांग्लादेश की सीमा का एक बड़ा हिस्सा खुला होने के कारण, सुरक्षा चिंताएं और अधिक प्रमुख हो जाती हैं। खासकर जब से शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से तनाव बढ़ा है। इस स्थिति ने भारत को बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं पर हो रहे हमलों के बारे में चिंता व्यक्त करने के लिए मजबूर किया है, जो कि चिन्मय कृष्ण दास जैसे हिंदू संत की गिरफ्तारी के बाद और अधिक गंभीर हो गई है।

पूसीरे ने की पिछले महीने 0.942 एमटी माल लोडिंग

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने ग्राहकों की सेवा और अंतिम उपयोगकर्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की त्वरित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात अथक प्रयास कर रही है। माल परिवहन में निरंतर प्रगति करते हुए, पूसीरे ने जनवरी में विभिन्न वस्तुओं को मिलाकर 0.942 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग दर्ज की। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि जनवरी में कई वस्तुओं की पिछले वर्ष की तुलना में माल लोडिंग में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई। सीमेंट लोडिंग में 67.9 फ़ीसदी की वृद्धि हुई, जबकि उर्वरक लोडिंग में 28.6 फीसदी की वृद्धि हुई और पीओएल (पेट्रोलियम, ऑयल और लुब्रिकेंट्स) लोडिंग में 4.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अन्य क्षेत्रों जैसे बलास्ट लोडिंग में 31.3 फीसदी और स्टोन चिप्स में 46.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। माल लोडिंग में निरंतर वृद्धि इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधि को दर्शाती है। जनवरी तक पूसीरे का कुल माल लोडिंग 8.671 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.8 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़ते ट्रेंड ने न केवल इस क्षेत्र की आर्थिक परिदृश्य को मजबूत किया है, बल्कि पूसीरे के राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

पृष्ठ एक का शेष

एडवांटेज असम 2.0 से ...

का हिस्सा बनने का सुनहरा अवसर प्रस्तुत करता है। ये दोनों जिले न केवल असम के चाय उद्योग का केंद्र हैं, बल्कि कृषि, ऊर्जा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं रखते हैं। मैं यहां मौजूद सभी उद्यमियों से एडवांटेज असम 2.0 के लिए पंजीकरण करने और इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने का आग्रह करता हूं। श्रम कल्याण मंत्री रूपेश गोवाला ने राज्य में बेहतर कारोबारी माहौल पर प्रकाश डाला। गोवाला ने कहा कि असम आज अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों के साथ निवेश के लिए एक शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है। यह शिखर सम्मेलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे युवाओं को उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। शिखर सम्मेलन के प्रभाव के बारे में आशा व्यक्त करते हुए, डिब्रूगढ़ के डीसी बिक्रम कैरी ने कहा कि एडवांटेज असम 2.0 हमारे राज्य को भारत के प्रमुख निवेश स्थलों में से एक के रूप में स्थापित करने में सहायक होगा। स्थानीय उद्यमियों से हम जो उत्साह देख रहे हैं वह अभूतपूर्व है। कार्यशाला में क्षेत्रीय अवसरों पर व्यापक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें तिनसुकिया जिला उद्योग और वाणिज्य केंद्र के कार्यवाहक महाप्रबंधक हीराकज्योति पेगु ने तिनसुकिया जिले के औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों में संभावनाओं का विवरण दिया। उपस्थित लोगों को *उन्नति योजना* के बारे में भी जानकारी मिली, जिसका उद्देश्य स्थानीय व्यावसायिक पहलों का समर्थन करना है। कार्यशाला में विविध भागीदारी ने आगामी शिखर सम्मेलन में व्यापक रुचि को दर्शाया। तैयारी सत्र ने क्षेत्रीय हितधारकों के लिए शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अवसरों और आवश्यकताओं को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य किया।

एक साल में देश...

विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है। उन्होंने आगे कहा कि मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। बलिदान जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुन: यह संकल्प दोहराता हूं कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे, ताकि देश के किसी भी नागरिक को इसके कारण अपनी जान न गंवानी पड़े। उल्लेखनीय है छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के फरसेगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगल में रविवार सुबह 8:30 बजे डीआरजी, एसटीएफ एवं बस्तर फाइटर के संयुक्त बलों के साथ हुई मुठभेड़ में 31 वर्दीधारी नक्सली मारे गए। इन नक्सलियों की पहचान की जा रही है द्य इस मुठभेड़ में दो जवान बलिदान हो गए और दो अन्य जवान घायल हो गए हैं। दोनों घायल जवानों की हालत खतरे से बाहर है। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से निकाला गया और उनका उपचार जारी है। मुठभेड़स्थल से नक्सलियों के शव के साथ एके 47, एसएलआर, इंसास रायफल, 303 रायफल, बीजीएल लांचर सहित बड़ी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक बरामद हुआ है द्य यह इलाका महाराष्ट्र सीमा से लगा हुआ है।

सीएम बीरेन सिंह ...

अब तक मणिपुर के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात रही है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं हर मणिपुरी के हितों की रक्षा के लिए समय पर कार्रवाई, हस्तक्षेप, विकास कार्य और विभिन्न परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार का बहुत आभारी हूं। माना जा रहा है कि सीएम बीरेन सिंह ने अपने नेतृत्व के खिलाफ राज्य भाजपा में असंतोष को शांत करने के लिए इस्तीफे की पेशकश की है। कहा जा रहा है कि वर्तमान में राज्य की सरकार कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव और फ्लोर टेस्ट की संभावना का सामना कर रही है। हालांकि, ध्यान देने वाली बात है कि सहयोगी कॉनराड सांग्मा की नेशनल पीपुल्स पार्टी अगर सरकार से अपना समर्थन वापस ले भी लेती है फिर भी बीजेपी के पास बहुमत साबित करने के लिए पर्याप्त संख्या है। बावजूद इसके इस बात की संभावना थी कि राज्य में नेतृत्व में बदलाव की मांग करने वाले विधायक फ्लोर टेस्ट की स्थिति में पार्टी व्हिप की अवहेलना कर सकते थे। इसी बीच बीरेन सिंह आज दिल्ली पहुंचे थे, जहां पर उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की। इसके बाद वह इंफाल लौटे और अपना त्यागपत्र राज्यपाल को सौंप दिया। दिल्ली में आज बीरेन सिंह ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। इसके बाद वह केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले। बीरेन सिंह ने 2022 के विधानसभा चुनावों में 60 सदस्यीय सदन में 32 सीटों के साथ एनडीए गठबंधन की आरामदायक जीत के बाद मणिपुर के सीएम के रूप में शपथ ली। कांग्रेस ने पांच सीटें और एनपीपी ने सात सीटें जीती थीं। नगा पीपुल्स फ्रंट ने पांच और कुकी पीपुल्स अलायंस ने दो सीटें जीती थीं। उस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने तीन सीटें जीती थीं। एनडीए सहयोगी जेडी(यू) ने छह सीटें जीती थीं। हालांकि, बाद में इसके पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए।

एक बंदर ने पूरे श्रीलंका में कर दिया अंधेरा

कॉलंबो। श्रीलंका में एक अनोखी घटना सामने आई, जब एक बंदर के कारण पूरे देश में बिजली गुल हो गई। यह घटना रविवार (9 फरवरी 2025) को दक्षिण कोलंबो में हुई, जब एक बंदर ग्रिड ट्रांसफार्मर के संपर्क में आ गया और इससे पूरे विद्युत सिस्टम में असंतुलन पैदा हो गया। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कुमार जयकोडी ने बताया कि इस घटना के चलते पूरे देश को तीन घंटे तक ब्लैकआउट का सामना करना पड़ा। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुबह लगभग 8:30 बजे ग्रिड ट्रांसफार्मर में बंदर घुसने के कारण अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे पूरे देश में अंधेरा छा गया और लोग असुविधा में पड़ गए। इंजीनियरों की तत्परता के चलते सुबह 11:30 बजे तक कुछ इलाकों में बिजली बहाल कर दी गई, लेकिन अन्य क्षेत्रों में आपूर्ति पूरी तरह सामान्य होने में और समय लगा। यह पहली बार नहीं है जब श्रीलंका को ऐसे बड़े बिजली संकट का सामना करना पड़ा हो। वर्ष 2022 में जब श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा था, तब देश में ईंधन की भारी कमी के कारण महीनों तक बिजली कटौती जारी रही थी। उस दौरान लोग 10 से 13 घंटे तक बिजली कटौती झेलने को मजबूर थे, जिससे व्यापार, स्कूल और अस्पतालों पर भारी असर पड़ा था। उस समय देश में खाद्य और ईंधन सहित कई आवश्यक चीजों की आपूर्ति बाधित हो गई थी, जिससे जनता में आक्रोश फैल गया था और सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

भारत ने मिसाइल और वायु रक्षा प्रणाली में सफलता की अनेक कहानियां गढ़ीं : राजनाथ

बेंगलुरू (हि.स.)। एयर फोर्स स्टेशन येलहंका में एशिया की सबसे बड़ी हथियारों की प्रदर्शनी *एयरो इंडिया* का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में होंगा। पूर्व संध्या पर उन्होंने 10 से 14 फरवरी तक चलने वाले एयरो इंडिया के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देने के साथ ही रक्षा क्षेत्र में विकसित हो रहे भारत का खाका खींचा। राजनाथ सिंह ने रविवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में स्वदेशी एलसीए तेजस मार्क-2 की प्रोडक्शन लाइन का दौरा करके प्रगति का जायजा लिया। रक्षा मंत्री एयरो इंडिया 2025 के लिए आज शाम को बेंगलुरु के एचएएल एयरपोर्ट पर उतरे और एचएएल की अत्याधुनिक एलसीए तेजस मार्क-1ए की उत्पादन सुविधा का दौरा किया। यह लड़ाकू विमान एलसीए मार्क-1 का उन्नत संस्करण है, जिसमें कई उन्नत विशेषताएं हैं। एलसीए बहु-भूमिका वाला विमान है, जो आसानी से आक्रामक हवाई सहायता, नजदीकी युद्ध और जमीनी हमले की भूमिका निभाने में सक्षम है। तेजस मार्क-1ए आने वाले दशकों तक भारतीय वायुसेना की रीढ़ की हड्डी के रूप में काम करेगा। रक्षा मंत्री सिंह ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने मिसाइल विकास कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। अग्नि मिसाइल, अस्त्र मिसाइल प्रणाली और पिनाका मिसाइल प्रणाली के उन्नत संस्करणों से लेकर अत्याधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली और आकाश वायु रक्षा प्रणाली तक हमने सफलता की अनेक कहानियां गढ़ी हैं। इन उपलब्धियों ने भारत के रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने, भारत को और अधिक आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि रक्षा विनिर्माण में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड को पार कर गया है। 2025-26 के अंत तक हमें उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1.60 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो जाएगा।

श्रीमंत शंकरदेव संघ अधिवेशन स्थल पर विधायक सैकिया की अनोखी पहल

जोरहाट (हिंस)। श्रीमंत शंकरदेव संघ के अधिवेशन स्थल पर खुमटाई के विधायक मृणाल सैकिया की अनोखी पहल सामने आई है। उन्होंने अधिवेशन में आए भक्त-वैष्णवों के लिए नि:शुल्क चाय, खिचड़ी और पीने का पानी उपलब्ध कराया है। हजारों भक्त विधायक मृणाल सैकिया के सेवा केंद्र पर उमड़ रहे हैं। लाखों भक्तों की उपस्थिति वाले अधिवेशन स्थल के मध्य में स्थापित इस सेवा केंद्र की विशेष चर्चा हो रही है। भक्तगण नि:शुल्क स्वादिष्ट खिचड़ी पाकर आनंदित हो रहे हैं। पवित्र अधिवेशन स्थल पर भक्तों की सेवा करने का अवसर पाकर विधायक मृणाल सैकिया स्वयं को धन्य मान रहे हैं। वे खुद खिचड़ी वितरण में हाथ बंटा रहे हैं।

पूर्व सैनिक पुनर्मिलन रैली ईएसएम संघ की वर्षगांठ आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्व सैनिक पुनर्मिलन रैली और ईएसएम संघ, बोरझार की सिल्वर जुबली वर्षगांठ रविवार को हरि गायत्री दास कॉलेज, आजरा में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेंशन, बैंकिंग और दस्तावेज़ीकरण से जुड़ी समस्याओं का समाधान करना था। रैली में 93 पूर्व सैनिक, 46 विधवाएं और 73 पत्नियां/आश्रित शामिल हुए। रैली की अध्यक्षता ब्रिगेडियर पुलक चौधरी, एसएम (से.नि.), निदेशक, सैनिक कल्याण निदेशालय, असम ने की। कर्नल रॉबिन कुमार दास (से.नि.) को गेस्ट ऑफ ऑनर और

कर्नल पद्मलोचन बर्मन (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, कामरूप (मेट्रो) को आयोजक के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी और नागरिक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। कर्नल पद्मलोचन बर्मन (से.नि.) ने ईएसएम संघ, बोरझार को 25 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी और पुनर्वास, केंद्रीय और राज्य सैनिक बोर्ड की कल्याणकारी योजनाएं, पेंशन एवं एसपीएआरएसएच, ईसीएचएस मुद्दे, शिक्षा व सरकारी नौकरियों में आरक्षण आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने असम के राज्यपाल की *राष्ट्रीय कृतज्ञता एवं जागरूकता योजना* की जानकारी भी दी। ब्रिगेडियर पुलक चौधरी (से.नि.) ने पूर्व सैनिकों के योगदान की सराहना की और उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर वीर नारियों, अनाथ एवं दिव्यांग आश्रितों और प्रमुख पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया गया।

नामसांग नामघर परिसर परियोजना का शिलान्यास

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जगतगुरु श्रीमंत शंकरदेव द्वारा स्थापित *नामघर* असम की सांस्कृतिक विरासत का गौरव है। असम सरकार गुरुजन की संस्कृति के प्रचार-प्रसार और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले में नववैष्णव संस्कृति के विभिन्न समृद्ध तत्वों से युक्त *नामसांग नामघर परिसर* परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। अरुणाचल प्रदेश सरकार भी इस प्रयास में पूर्ण सहयोग कर रही है। हाल ही में, अरुणाचल प्रदेश सरकार के मंत्री वांगी लोवांग और असम सरकार के विधायक तरंग गोगोई की उपस्थिति में इस परियोजना का शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रंगिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई समिति का गठन

रंगिया (विभास)। रंगिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई कार्यकारिणी समिति का गठन गत दिनो किया गया है। कैलाशचंद जैन, अंकुर डेका, श्रीपालचंद जैन, मुजीबुद्दीन अहमद को सलाहकार, समिंद्र डेका अध्यक्ष, हरिराम क्याल और मुकेश अग्रवाल उपाध्यक्ष, मुकुतानंद भट्टाचार्य महासचिव, जितेंद्र जाजोदिया और प्रदीप अग्रवाल उपसचिव, माधव दास, रामौतार लुंडिया, गोपाल जाजोदिया सह सचिव, तथा योगेश कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए गए हैं। रंगिया चैंबर ऑफ कॉमर्स की नई कार्यकारिणी समिति में विजय जैन, कैलाश लुंडिया, प्रमोद अग्रवाल, प्रदीप जाजोदिया, लक्ष्मी नारायण शर्मा (लक्ष्मण), अजय नथानी, बासुदेव शर्मा, पंकज कलिता, आशिक सुरेका, सुनील सिकरिया, विजय कुमार जैन (छाबरा) को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चयन किया गया है। उक्त जानकारी नव नियुक्त महासचिव मुकुतानंद भट्टाचार्य तथा उपसचिव जितेन्द्र जाजोदिया व प्रदीप अग्रवाल ने दी है।

राभा हाजोंग के लिए कांग्रेस की चुनावी रणनीति तैयार

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी राभा हाजोंग स्वायत्त परिषद चुनाव की देखरेख के लिए असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व मंत्री प्रणय राभा की अध्यक्षता में *राभा हाजोंग ऑटोनॉमस काउंसिल कोऑर्डिनेशन कमेटी* का गठन किया है। गुवाहाटी के राजीव भवन में आज आयोजित एक आपात बैठक में निर्णय लिया गया कि कांग्रेस पार्टी अपने चुनाव चिह्न के साथ राभा हाजोंग स्वायत्त परिषद चुनाव में भाग लेगी। पार्टी ने 36 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने का फैसला किया। चुनाव प्रचार के तहत 16 से 28 फरवरी तक इन 36 क्षेत्रों को आठ भागों में विभाजित कर सभाएं आयोजित की जाएंगी।

टैक्स बार एसोसिएशन ने केंद्रीय बजट 2025 पर सेमिनार का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। टैक्स बार एसोसिएशन, गुवाहाटी ने ऑर्नेट होटल, उलुबाड़ी, गुवाहाटी में केंद्रीय बजट 2025 पर एक सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार की शुरुआत टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने अपने स्वागत भाषण से की। टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और सेमिनार के महत्व पर प्रकाश डाला और आशा व्यक्त की कि प्रतिभागियों को केंद्रीय बजट 2025 में किए गए महत्वपूर्ण परिवर्तनों को समझने में वक्ताओं की विशेषज्ञता से लाभ होगा। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी केंद्रीय वित्त मंत्री को एक प्री-बजट ज्ञापन भेजा गया था जिसमें से कुछ सुझावों को स्वीकार कर इस वर्ष के केंद्रीय बजट में प्रस्तावित किया गया है। प्रथम तकनीकी सत्र में सीए सुनील शर्मा ने अपने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से केंद्रीय बजट 2025 में आयकर प्रस्तावों के बारे में बताया। दूसरे तकनीकी सत्र में सीए मन्नू काशलीवाल ने अपने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के साथ केंद्रीय बजट 2025 में जीएसटी प्रस्तावों को समझाया। दोनों वक्ताओं ने अपने-अपने विषयों पर शानदार ढंग से बात की, जिसे प्रतिनिधियों ने खूब सराहा। उन्होंने प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया और केंद्रीय बजट 2025 के प्रस्तावों के बारे में बताया। सेमिनार का समापन टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया के औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र से लगभग 80 पेशेवरों और व्यापारियों ने सेमिनार में भाग लिया और वक्ताओं की विशेषज्ञता से लाभान्वित हुए। प्रतिनिधियों ने प्रासंगिक और महत्वपूर्ण विषयों पर सेमिनार की व्यवस्था के लिए एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की। टैक्स बार एसोसिएशन के सचिव सीए गोपाल सिंघानिया ने आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय बजट 2025 में आयकर और जीएसटी दोनों कानूनों में कई बदलाव किए जाने का प्रस्ताव है और इन सभी बदलावों को समझने के लिए इस सेमिनार का आयोजन किया गया है। उन्होंने सेमिनार में भाग लेने और इसे सफल बनाने के लिए सभी प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे बताया कि एसोसिएशन जल्द ही केंद्रीय वित्त मंत्री को बजट के बाद एक ज्ञापन भेजेगा।

लायंस अर्पण ने अपने स्थायी प्रकल्प सिलाई स्कूल में बनाया बाथरुम

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी अर्पण ने लायंस जिलापाल सीमा गोयन्का के अधिकारिक दौरे के दौरान लायंस क्लब अर्पण के बोंदा स्थित स्थाई प्रकल्प सिलाई स्कूल में आने वाले विद्यार्थियों के सुविधा के लिए सुलभ शौचालय का निर्माण कार्य संपन्न होने बाद उसका उद्घाटन फीता काटकर करवाया। लायंस अर्पण समय समय पर गुवाहाटी के बोंदा के सिलाई स्कूल में वहां वाशिंदों के लिए जीवनोपयोगी सब बुनियादी सुविधानुसार हरदम ध्यान रखती है। स्थानीय महिलाओ को स्वल्पाहार कराया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष संगीता रासिवासिया, मंत्री लीला लाहोटी, वंदना बगड़िया, मंजु चौधरी, लीना जैन उपस्थित थी। लायंस जिलापाल सीमा गोयंका ने आधिकारिक दौरे में क्लब सभी कार्य की प्रशंसा की।

कलम की खनक फाउंडेशन के विशेष काव्य गोष्ठी में मारवाड़ी काव्य पाठ और गीत गजलों की गूंज

गुवाहाटी। श्री मारवाड़ी पुस्तकालय में साहित्य, संस्कृति एवं कला में उद्गम *कलम की खनक फाउंडेशन,* की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कनक लता जैन के तत्वावधान में सत्र 2025 की प्रथम काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में गणमान्य उपस्थिति मुख्य अतिथि स्वरूप बीकानेर से वरिष्ठ साहित्यकार, समालोचक अब्दुल शकूर सिसोदिया जी शकूर बीकाणवी एवं विशिष्ट अतिथि गुवाहाटी से साहित्यकार, अनुवादक दिनकर कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आगाज दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्था के कोषाध्यक्ष रौनक सेठिया ने असमिया फूलाम गामोछा से किया। संस्था की अध्यक्ष ने संस्था का स्मृति चिन्ह एवं पुस्तक से मेहमानों का अभिवादन किया। डॉ. कनक लता जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहित्य हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा है। कविता न केवल हमारी आत्मा को छूती है बल्कि हमें बदलने की प्रेरणा भी देती है। मुख्य अतिथि ने अपना उद्बोधन संस्कृत श्लोक से किया तथा सभी रचनाकारों की सहराना की। काव्य पाठ हेतु आमंत्रित कवि, श्री सौमित्रम्, मनोज नायाब, विनीता शर्मा, पुष्पा सोनी, बिमला सिंह, मालविका

मेधी दास, शशि सुराणा, हेमलता गोलछा, संतोष बेद, निलेश माथुर ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान राजस्थानी संस्कृति की झलक मारवाड़ी काव्य पाठ में झलकी। पूरे कार्यक्रम का संचालन कारबी आंगलोंग से बिमला सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान हुई साहित्यिक प्रश्नोत्तरी ने सभी कलमकारों सहित दर्शकों को जोड़े रखा। अंत में सभी कलमकारों को कलम की खनक फाउंडेशन की ओर से *श्री काव्य कनक साहित्य सम्मान* प्रदान किया गया। सम्मान से अलंकृत सभी कलमकार गदगद हुए। प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को पुस्तक भेट की गई। उपस्थित दर्शकों ने कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। संस्था की ओर से धन्यवाद ज्ञापन हेमलता गोलछा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉ. कनक लता जैन ने संस्था के सदस्यों सहित सभी का आभार व्यक्त किया।

मोइराबाड़ी में भीषण आग, एक की मौत कई लोग घायल

मोरीगांव (हिंस)। मोइराबाड़ी के दलाइगांव पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 6 में भीषण आग लग गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि इस हादसे में एक दिव्यांग युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आग में संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा, जिसका अनुमान 10 लाख रुपए से अधिक लगाया जा रहा है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, आग एक मकान के अंदर लकड़ी के ढांचे से भड़की और तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर फंसे लोग निकलने की कोशिश में झुलस गए। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय मोइनुल हक के रूप में हुई है, जो दिव्यांग होने के कारण भाग नहीं सका। वह अपने बिस्तर पर सो रहा था कि आग ने उसे घेर लिया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मोइराबाड़ी अग्निशमन विभाग के अथक प्रयासों के बावजूद दो परिवारों के घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन कुछ भी बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद, मोइराबाड़ी पुलिस ने मोइनुल हक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोरीगांव सिविल अस्पताल भेजा। प्रशासन आग के सही कारण और हुए नुकसान का आकलन कर रहा है।

श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय की विशेष सभा में कवि सम्मेलन पर चर्चा की गई

गुवाहाटी (विभास)। श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय की एक विशेष कार्यकारिणी सभा फैंसी बाजार एमएस रोड सेंट्रल प्लाजा स्थित पुस्तकालय भवन में अध्यक्ष विनोद रिंगानिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में मुख्य रूप से आगामी होली के अवसर पर आयोजित होने वाले हास्य कवि सम्मेलन की तैयारीयो पर विस्तृत चर्चा की गई। कवि सम्मेलन कार्यक्रम के संयोजक ताराचंद ठोलिया ने सभासदों को बताया कि आगामी 23 फरवरी को माछखोवा आईटीए सेंटर में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन की तैयारीया लगभग पूरी हो चुकी है। नि:शुल्क प्रवेश पत्रों का वितरण आगामी 18 फरवरी से शुरू कर दिया जाएगा। संयोजक ठोलिया ने कार्यक्रम संचालन हेतु एक उप समिति के गठन की जानकारी देते हुए बताया कि कवि सम्मेलन के वित्त समिति के संयोजक के रूप में पुस्तकालय ट्रस्ट के चैयरमेन आनंद पोद्दार को मनोनीत किया गया इसके अलावा प्रचार प्रसार समिति के लिए किशोर काला, संतोष बैद और संपत मिश्र को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा मंच सज्जा के लिए प्रदीप जैन और सिद्धार्थ नवलगड़िया, मंच व्यवस्था के लिए सरोज जालान, सविता जोशी, कांता अग्रवाल, अंशु सारडा व पुष्पा सोनी को, बैठने की

व्यवस्था के लिए प्रदीप जैन, मुकेश भातरा, लक्ष्मीपत बैद, मनोज जालान, व आशीष खाकोलिया, कवि अतिथि व्यवस्था समिति में प्रेमचंद खजांची, आशीष खाकोलिया व अनुराग पोद्दार, प्रवेश पत्र वितरण समिति में ताराचंद ठोलिया, सिद्धार्थ नवलगड़िया व रवि अजितसरीया, खानपान व्यवस्था समिति में नारायण खाकोलिया और कृष्ण कुमार जालान, पुस्तकालय ट्रस्टी प्रवेश पत्र वितरण समिति में राजकुमार तिवाड़ी व नारायण खाखोलिया को मनोनीत किया गया। उक्त सभा में पूर्व अध्यक्ष अनिल जैना ने मार्गदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। शाखा सचिव सिद्धार्थ नवलगड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी हास्य कवि सम्मेलन में देश के नामी गिरामी हास्य कवि उपस्थित होंगे। जिनमें राजस्थान के नवलगढ़ से हरीश हिंदुस्तानी, भीलवाड़ा से वीर रस कवि योगेंद्र शर्मा के अलावा राजेश चेतन, सर्वेश अस्थाना और महेश दुबे कार्यक्रम में उपस्थित होंगे।

गौशाला में नवनिर्मित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर में विग्रह स्थापित

भक्तों के लिए आज से खुल जाएंगे मंदिर के कपाट

गुवाहाटी। महानगर के आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में चल रहे सात दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के छठे दिन रविवार को नवनिर्मित श्रीश्री राधाकृष्ण मंदिर में राधाकृष्ण के विग्रहों को मंत्रोच्चारणों के बीच पूरे विधि विधान के साथ स्थापित किया गया। वहीं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को पूजा अर्चना के पश्चात दोपहर 12:15 बजे महा आरती कर भक्तों के दर्शन हेतु मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे। बनारस से आए हुए आचार्य ने बताया की यजमान भड़ेच परिवार द्वारा इससे पूर्व रविवार को भगवान श्री

राधाकृष्णा जी का सोडस उपचार द्वारा पूजन कर के भगवान के यंत्रों और नवरत्नों का विधिवत पूजन कर के भगवान श्री राधाकृष्णा जी के विग्रह को विराजमान किया गया। दूसरे प्रहर में आवाहित देवी देवताओ का हवन कर भगवान की संध्या आरती की गई। रविवार होने के नाते आज यज्ञशाला दर्शन करने हेतु बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति देखी गई।

विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ गुवाहाटी के संस्कार कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी। विप्र फाउंडेशन महिला प्रकोष्ठ गुवाहाटी तत्वावधान में परशुराम सेवा सदन में बच्चों में संस्कार, मानवीय मूल्य और आध्यात्मिक ज्ञान के लिए संस्कार कार्यशाला, संस्कार संचयन का आयोजन किया गया। प्रथम पूज्य देवता गणपति जी के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथि गणों का सम्मान किया गया। कार्यशाला में प्रार्थना, गुरु वंदना, योग, खेलकूद, कहानी अन्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में अच्छे संस्कार समायोजन करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम सलाहकार वंदना शर्मा ने बच्चों को संस्कारशाला में चंदन का तिलक क्यों लगाना, नमस्ते का मतलब, योगाभ्यास के विषय में विस्तार से बताया गया एवं प्रेरणादायक कहानी सुनाई .बच्चों व आए हुए अतिथियों

को भी एक गेम खिलाया गया, जिसके फल स्वरुप विजेता को पुरस्कार भी दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 70 से अधिका बच्चे मौजूद थे। कार्यक्रम में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सिया शर्मा, सलाहकार कमला लाटा, सुषमा पारीक, संगठन मंत्री निशा पारीक, मंत्री रजनी शर्मा, कोषाध्यक्ष जया पारिक, संयोजिका वर्षा शर्मा, उर्मि पारीक, गरिमा व्यास, कुसुम शर्मा, खुशबू शर्मा, आदि की उपस्थिति सराहनीय थी। विप्र फाउंडेशन जॉन 8 की प्रांतीय अध्यक्ष मंजूलता शर्मा, समृद्धि शाखा अध्यक्षअंजू शर्मा, मारवाड़ी युवा मंच अध्यक्ष स्नेहल बीदासरिया, सुषमा शर्मा, संगीता शर्मा, यशस्वी शर्मा, उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पूजा शर्मा ने किया। कार्यक्रम के प्रथम दिन ही हमें विप्र युवा असम के द्वारा उपहार स्वरूप एक प्रोजेक्टर की बात रखी गई। जिसका महिला प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों ने तहे दिल से धन्यवाद दिया। उनके इस सहयोग से आगे की कार्यशाला में बहुत सहयता मिलेगी। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ने बताया कि यह कार्यशाला हर रविवार आयोजित की जाएगीद्य बच्चों में अच्छे संस्कार से अच्छे व्यक्तित्व और अच्छे चरित्र का निर्माण होगा। संपूर्ण जानकारी कार्यकारिणी सदस्या गरिमा ने दी।

हिंदी नाटक *कथा* का बंगाईगांव रिफाइनरी में शानदार मंचन

विश्वनाथ / बंगाईगांव (विभास)। *प्रेम और पानी* को केंद्र बिंदु में रखकर लिखी गई नाटक *कथा* का नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बंगाईगांव द्वारा इंडियन ऑइल कार्पोरेशन लिमिटेड, बंगाईगांव रिफाइनरी के आरसीसी सभागार में शनिवार को शानदार मंचन किया गया। इस नाटक के लेखक श्री सुधांशु फिरदौस हैं जिसका मंचन द *फैक्ट आर्ट एंड कल्चरल सोसाइटी, बेगूसराय* द्वारा किया गया। नाटक का निर्देशन श्री प्रवीण कुमार गुंजन, निदेशक, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, वाराणसी केंद्र ने किया जो मेटा में बेस्ट डायरेक्टर अवार्ड सहित कई सम्मान से सम्मानित हैं। संगीत निर्देशन अमरेश कुमार एवं दीपक कुमार का था, उनका संगीत कर्णप्रिय और नाटक के अनुकूल था। संगीत संयोजन के अन्य सहयोगी थे रविकांत एवं लाल बाबू। प्रकाश परिकल्पना एवं संचालन चिंटू कुमार ने किया। नाटक के कलाकारों में चंदन वत्स, चंदन कुमार, प्रिया कुमारी, वैभव कुमार, देवानंद सिंह, चंदन कश्यप, सौरभ कुमार, कमलेश ओझा, जितेन्द्र कुमार, खुशबू कुमारी और संतोष कुमार राही

ने सराहनीय और जानदार अभिनय किया। यह नाटक भारतीय समाज व व्यवस्था के दोहरे चरित्र पर तीखे सवाल करता है। नाटक दल के कलाकारों के द्वारा शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया और बार-बार तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। ज्ञात हो कि असम के तीन जिला बोंगाईगांव, चिरांग और कोकराझार में अवस्थित भारत सरकार के कार्यालयों, बैंकों, बीमा कंपनियों और उपक्रमों में कार्यालय के कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बंगाईगांव का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता का दायित्व कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख बंगाईगांव रिफाइनरी को दिया गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बंगाईगांव के तत्वावधान में बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा इस हिंदी नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक के द्वारा रिफाइनरी के कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ जल और जीवन के संरक्षण जैसे नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कार्यकारी निदेशक व बंगाईगांव रिफाइनरी प्रमुख श्री नयन कुमार बरुवा, मुख्य महाप्रबंधक, (तकनीकी सेवा) श्री मिहिर सिंघल, महाप्रबंधक प्रभारी मानव संसाधन श्री नबज्योति दास, महाप्रबंधक कर्मचारी सेवा मुसुखा बोरो उपस्थित थे। यह कार्यक्रम श्री शरद कुमार, सहायक प्रबंधक (हिंदी एवं सीएसआर) सह सदस्य सचिव नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की देखरेख में संपन्न हुआ। आगंतुक अतिथियों में बंगाईगांव रेल कारखाना के मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह थे जिन्होंने अन्य सम्मानित अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। रेलवे से आए अन्य लोगों में शामिल थे सहायक कार्मिक अधिकारी अभिमन्यु प्रसाद और वरिष्ठ व्याख्याता विनय कुमार। केंद्रीय विद्यालय, न्यू बंगाईगांव के प्राचार्य के अलावा और भी कई कलाप्रेमी गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में सभी कलाकारों और नाटक दल के सदस्यों को पारंपरिक गमछा पहना कर सम्मानित किया।

संपादकीय

राहतभरा कदम

कुछ ही समय पहले संसद में पेश सालाना बजट में सरकार ने आयकर को लेकर राहत की घोषणा की थी। अब एक हफ्ते बाद रिजर्व बैंक ने रेपो रेट कम करके आम आदमी को राहत देने की एक और कोशिश की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा की है। इस तरह अब रेपो रेट 6.5 प्रतिशत से घटकर 6.25 रह गया है। सही मायनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित दर में कमी की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह पिछले पांच वर्षों में कटौती की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। जो आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को संतुलित करने की दिशा में केंद्रीय बैंक के दृष्टिकोण में आए बदलाव का संकेत भी देता है। निश्चित रूप से यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब देश की आर्थिक गति धीमी नजर आ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का 6.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। निश्चय ही यह वर्ष 2023-24 में हासिल की गई 8.2 प्रतिशत दर से काफी कम है। अब तक केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के मकसद से रेपो दर में कटौती से बचता रहा है। दरअसल, राजनीतिक नफा-नुकसान की दृष्टि से महंगाई का मुद्दा बेहद संवेदनशील होता है। विपक्ष महंगाई बढ़ने को सतारूढ़ दल की विफलता के रूप में दर्शाने की ताक में रहता है। हालांकि, अभी भी मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक के चार फीसदी के लक्षित मानक स्तर से ऊपर बनी हुई है। लेकिन धीमी पड़ती विकास दर की चुनौती को देखते हुए विकास व मुद्रास्फीति में संतुलन बनाने की कवायद की गई है। हालांकि, आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपनी पहली नीतिगत समीक्षा में लंबे समय तक दर कटौती चक्र की अटकलों को खारिज किया है। बहरहाल, देश के उद्योग जगत की हस्तियों ने रेपो दर में कटौती का स्वागत किया है। इसके बावजूद ऋण लेने की लागत पर इसके प्रभाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हालांकि, कुछ आर्थिक मामलों के जानकार मानते हैं कि रेपो दर में कटौती बेहद कम है और इसका लाभ देर से मिलेगा। इसकी मूल वजह यह भी है कि बैंक, पहले से ही नकदी तरलता की कमी का सामना कर रहे हैं। संभव है कि बैंक लोन लेने वालों को तुरंत लाभ न दें। वैसे रेपो दर में कटौती के बाद उपभोक्ताओं के ऋण की ईएमआई कम होने की उम्मीद तो जगी है। इसके अलावा केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीति से परे वित्तीय लेनदेन में साइबर सुरक्षा बढ़ाने के उपाय भी किए हैं। जिसमें बैंकों व गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के लिये अलग डोमेन की जरूरत को महसूस किया गया है। दरअसल, इसका मकसद डिजिटल धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने और ऑनलाइन बैंकिंग में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाना है। निश्चित ही लगातार बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए यह अतिरिक्त सुरक्षा उपाय स्वागत योग्य ही है। इसके अलावा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अप्रैल से लागू होने वाले प्रस्तावित कड़े बैंकिंग मानदंडों को स्थगित करने की बात कही है। जो उनके पूर्ववर्ती की तुलना में अधिक लचीले नियामक रुख का संकेत भी है। निश्चय ही यह कदम बैंकों के ऋण प्रवाह को बाधित किए बिना तरलता और पूंजी आवश्यकताओं के अनुकूलन के लिये अधिक समय प्रदान करता है। आज पूरी दुनिया आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। जिसके मूल में अस्थिर ऊर्जा कीमतें और ट्रंप के सत्ता में आने के बाद अमेरिका की आक्रामक मौद्रिक नीतियां हैं, जो नये जोखिम पैदा करती हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की घोषणा की है। इस तरह अब रेपो रेट 6 .5 प्रतिशत से घटकर 6 .25 रह गया है। सही मायनों में भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों और बदलते अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने आखिरकार बहुप्रतीक्षित दर में कमी की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह पिछले पांच वर्षों में कटौती की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। जो आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति को संतुलित करने की दिशा में केंद्रीय बैंक के दृष्टिकोण में आए बदलाव का संकेत भी देता है। निश्चित रूप से यह निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब देश की आर्थिक गति धीमी नजर आ रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का 6 .7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। निश्चय ही यह वर्ष 2023-24 में हासिल की गई 8 .2 प्रतिशत दर से काफी कम है। अब तक केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के मकसद से रेपो दर में कटौती से बचता रहा है।

हिंदू राज्य पर आक्रमण किया तो वहां उसने बड़े-बड़े नरसंहार उत्सव के रूप में किये

हर बुजदिल हिंदू मुसलमान है : कहना कितना सही ?

डॉ राकेश कुमार आर्य

हिंदू युवा को मुसलमानों या इस्लामिक आतंकवाद पर या मुस्लिम फंडामेंटलिज्म पर बोलना होता है तो यह बात सुनने को अक्सर मिलती है कि जो आज मुसलमान हैं, वह कभी हिंदू थे। परंतु उनके पूर्वज कायर थे, जिन्होंने सनातन को छोड़ दिया और इस्लाम स्वीकार कर लिया। वे मुस्लिम अत्याचारों को सहन नहीं कर पाए, जबकि हमारे पूर्वज बहुत ही शूरवीर थे, जिन्होंने मुस्लिम अत्याचारों को सहन करने के उपरांत भी सनातन को नहीं छोड़ा।

सामान्यतया जब भी किसी हिंदू युवा को मुसलमानों या इस्लामिक आतंकवाद पर या मुस्लिम फंडामेंटलिज्म पर बोलना होता है तो यह बात सुनने को अक्सर मिलती है कि जो आज मुसलमान हैं ,वह कभी हिंदू थे। परंतु उनके पूर्वज कायर थे, जिन्होंने सनातन को छोड़ दिया और इस्लाम स्वीकार कर लिया। वे मुस्लिम अत्याचारों को सहन नहीं कर पाए, जबकि हमारे पूर्वज बहुत ही शूरवीर थे, जिन्होंने मुस्लिम अत्याचारों को सहन करने के उपरांत भी सनातन को नहीं छोड़ा। हमारा मानना है कि इस प्रकार की बातें तात्कालिक आधार पर ताली बजवाने के लिए उचित कहीं जा सकती हैं, कई बार तर्क का सामना करने के लिए अथवा दूसरे को शांत करने के दृष्टिकोण से भी ऐसा बोला जा सकता है। यद्यपि इतिहास के तथ्य कुछ और कहते हैं। जिन लोगों को इतिहास बोध नहीं है, उनके मुंह से ऐसी बातें सुनना अच्छा लग सकता है, परंतु जिनको इतिहास बोध है, वे ऐसा नहीं कह सकते। इतिहास के अध्ययन से हमको पता चलता है कि जिन लोगों ने इस्लाम को स्वीकार किया, उन्हें इस्लाम स्वीकार करने से पहले कितने ही प्रकार के अत्याचारों से गुजरना पड़ा था। 95% मामले ऐसे थे, जिनमें इस्लाम स्वीकार करने के अतिरिक्त उनके सामने अन्य कोई विकल्प नहीं रह गया था। कुछ लोगों के सामने इस्लाम स्वीकार करना तात्कालिक बाध्यता बन गई थी। एक समय ऐसा था जब तात्कालिक बाध्यता के आधार पर इस्लाम को स्वीकार करने वाले लोगों को हमारे समाज के लोग सहजता से ' घर वापसी' करवाकर उन्हें अपना लेते थे। यद्यपि इस्लाम स्वीकार करने के उपरांत भी अनेक लोगों ने ' घर वापसी' की। हम सभी जानते हैं कि जब भी कोई मुस्लिम आक्रांता यहां आया या यहां आने पर उसने अपना राज्य स्थापित करने के पश्चात किसी अन्य हिंदू राज्य पर आक्रमण किया तो वहां उसने बड़े-बड़े नरसंहार उत्सव के रूप में किये। 'शांतिदूतों' के उत्पात के कारण बार-बार हिंदुओं को बड़ी-बड़ी विपत्तियों का सामना करना पड़ा। लोगों ने अपनी प्राणरक्षा और धर्म रक्षा के लिए घर बार छोड़कर भागना स्वीकार किया, मरना स्वीकार किया, परंतु इस्लाम स्वीकार नहीं किया। हिंदू जनसंख्या का विस्थापन होना उस समय एक साधारण सी बात हो गई थी। मुस्लिम अत्याचारों से बचने के लिए बड़ी संख्या में एक क्षेत्र के लोग दूसरे प्रांत की ओर पलायन कर जाते थे। कभी उत्तर प्रदेश ,मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग राजस्थान

की ओर भागे तो कभी राजस्थान के लोग उत्तर प्रदेश, हरियाणा ,पंजाब या दूसरे प्रान्तों की ओर भागे। उनकी परिस्थितियों में अपने आप को खड़ा करके देखने की आवश्यकता है कि जब चारों ओर डकैतों, बलात्कारियों , अपराधियों, अत्याचारियों के झुण्ड के झुण्ड गिद्धों के रूप में घूम रहे थे और भारत की निरपराध और निशस्त्र जनता को (जिसने अबसे पहले ऐसे अत्याचारियों को देखा ही नहीं था) उनका सामना करना पड़ रहा था । तब वह कैसी विकट परिस्थितियों से गुजर रहे थे और किस प्रकार अपने धर्म की रक्षा कर रहे होंगे ? इस पर विचार करने की आवश्यकता है । उन्हें केवल कायर कह देने से काम नहीं चलेगा। उनकी परिस्थितियों को भी समझना और समझाना पड़ेगा। इन परिस्थितियों में उन लोगों के घर बार ही नहीं उजड़े, उनका अपना प्रदेश भी उनसे छिन गया। कितने ही हिंदू परिवार ऐसे रहे , जिनके मूल गांव उनसे सदा- सदा के लिए छिन गए। इसकी थोड़ी-थोड़ी सी झलक आपको वर्तमान में कश्मीर से पलायन कर देश के अन्य क्षेत्रों में रहने वाले कश्मीरी पंडितों की स्थिति को देखकर मिल सकती है। क्या इन कश्मीरी विस्थापितों को केवल कायर मान लिया जाए ? परिस्थिति के दूसरे पक्ष पर विचार करने से पता चलता है कि ये लोग कायर नहीं हैं ,ये धर्म रक्षक लोग हैं। जिन्होंने सनातन को बचाने के लिए अपने आप को उजाड़ दिया। विश्व के दूसरे देशों का इतिहास उठाकर देखिए। लोगों ने अपने आप को बचाने के लिए अपना धर्म छोड़ दिया, सांस्कृतिक परंपराएं छोड़ दीं। उन लोगों को प्राण प्यारे थे, धर्म- संस्कृति और परंपराओं से उन्हें कोई अधिक मोह नहीं था। इसके विपरीत भारत के लोगों ने धर्म – संस्कृति और अपनी परंपराओं को बचाए रखने के लिए अनेक प्रकार के कष्ट सहन किये। जितने भर भी आज के पिछड़े, दलित , शोषित लोग दिखाई देते हैं, इन सबके इतिहास को उठाकर देखिए। ये किसी काल विशेष में किसी न किसी रियासत के राजाओं के वंशज हैं। जिन पर जब मुसलमानों का दबाव पड़ा तो ये लोग किसी क्षेत्र विशेष से पलायन कर अन्यत्र विस्थापन कर गए । सैकड़ों वर्षों तक घने जंगलों के बीच रहकर छापामार युद्ध के माध्यम से विदेशियों को लूटना और उन्हें भगाने के लिए स्वतंत्रता आंदोलन जारी रखना , उनकी परंपरा और स्वभाव में सम्मिलित हो गया। कितने दुख की बात है कि आज हम इन लोगों को हेय दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके इतिहास को नहीं देखते। उनके संघर्ष को नहीं देखते। इनके भारत प्रेम को नहीं देखते। इनके सनातन प्रेम को नहीं देखते। इन्होंने अपनी पीढ़ियां भारत की उन्नति के लिए खपा दीं । भारत को बचाने के लिए खपा दीं और हमने इनको क्या पुरस्कार दिया ? दलित, शोषित , पिछड़े आदि कहकर इनकी अवमानना के अतिरिक्त। हम उन लोगों को भी वीर मानते हैं जिन्होंने निःशस्त्र होकर अपने धर्म की रक्षा की। दिनकर जी की " संस्कृति के चार अध्याय " नामक पुस्तक का अध्ययन कीजिए। पृष्ठ संख्या २*९ पर विद्वान लेखक हमको बताते हैं कि मुस्लिम काल में हिंदुओं को अस्त्र-शस्त्र लेकर घुड़सवारी करने की आज्ञा नहीं थी । किसी भी मुसलमान के आगमन पर उन्हें अपने घोड़े तक पर चढ़ने की अनुमति नहीं थी। अपने घरों में किसी की मृत्यु हो जाने के उपरांत महिलाओं को रोने की भी अनुमति नहीं थी। ऐसी परिस्थितियों में भी धर्म की रक्षा करना धर्म के प्रति समर्पित समाज के वीर लोगों के द्वारा ही संभव है। ऐसी विषम परिस्थितियों में रहकर हमारे पूर्वजों ने किस प्रकार अपना समय व्यतीत किया होगा ? थोड़ा इस पर भी विचार करना चाहिए। ऐसे अपने वीर पूर्वजों को कायर कह देना, मूर्खता के अतिरिक्त कुछ भी नहीं है। अस्त्र शस्त्र विहीनकर जन समुदाय को मारना या उन्हें गुलाम बनाना या उनसे बेगार लेना या उन पर अमानवीय अत्याचार करना उन लोगों की कायरता है, जिन्होंने ऐसे अत्याचार पूर्ण कार्य किये। अतः दंड उनको देना चाहिए जिन्होंने दंड का कार्य किया है। दंड सहन करने वाले को या निरपराध को दंडित करना न्यायाधीश की मूर्खता के अतिरिक्त अन्य कुछ भी नहीं। अपराधी को छोड़ने और निरपराध को फांसी चढ़ाना किसी भी न्यायाधीश को शोभा नहीं देता।

दृष्टि कोण

आसन्न चुनौतियों के अनुरूप हो वित्तीय संबल

इस 'अदृश्यता' के बावजूद, इस राशि को विभिन्न अन्य पैमानों के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है और कुल मिलाकर निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता को मौजूदा जरूरतों के अनुरूप सुनिश्चित बनाने के लिए जितना धन चाहिए, यह आवंटन उससे कम है। वैश्विक स्तर पर, 2024 में, अमेरिका का सैन्य खर्च 916 बिलियन डॉलर था और 296 बिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे स्थान पर था। यहां यह याद रखना ज़रूरी है कि 2018 में रक्षा संबंधी स्थायी समिति (एससीओडी) ने रक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन का मापदंड जीडीपी का 3 प्रतिशत रखने की सिफारिश की थी ताकि सशस्त्र बलों की उपयुक्त स्तर की तैयारी सुनिश्चित करने वाले राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर खाद-पानी और पोषण मिलता रहे। हालांकि, यह तीन प्रतिशत आवंटन एक मायावी आंकड़ा बना हुआ है और पिछले चार वर्षों में यानी 2020-21 से मौजूदा वित्तीय वर्ष तक– इस मद में गिरावट आई है। 2020-21 के लिए रक्षा आवंटन जीडीपी का 2.4 प्रतिशत था, जो 2025-26 के लिए घटाकर 1.91 फीसदी कर दिया गया है। पिछले कुछ सालों में इस अंतर की तरफ ध्यानाकर्षण तो बना है, लेकिन यह स्पष्ट है कि टीम मोदी द्वारा यह राजनीतिक निर्णय लिया गया है कि क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां जटिल और चुनौतीपूर्ण बनी रहने के बावजूद रक्षा आवंटन कम रहेगा। वर्ष 2018 में, एससीओडी ने यह सिफारिश भी की थी कि थल सेना के मामले में– जो कि फौज की प्रमुख शाखा है और मूलतः मानव बल आधारित है– उसमें उपकरणों/साजो-सामान का मिश्रण आदर्शक रूप से ऐसा हो कि 30 प्रतिशत धन नए उपकरणों के लिए, 40 प्रतिशत मौजूदा साजो-सामान के वास्ते और 30 प्रतिशत पुरानी पीढ़ी के शस्त्रागार पर लगाया जाए। लेकिन हकीकत गंभीर है। मार्च 2023 में, सेना ने एक स्पष्ट खुलासे में, स्थायी समिति को अवगत कराया कि सेना के केवल 15 प्रतिशत उपकरणों को ही नए उपकरण श्रेणी में रखा जा सकता है, जबकि लगभग 45 प्रतिशत अस्त्र-शस्त्र-उपकरण पुराने पड़ चुके हैं। सेना के प्रतिनिधि ने संसदीय समिति को यह भी बताया कि '30:40:30' वाली आदर्शक स्थिति पाने को हमें कुछ वक्त लगेगा'। अपर्याप्त राजकोषीय आवंटन और रणनीतिक योजना की विसंगति के कारण पिछले एक दशक में भारतीय सेना की समग्र लड़ाकू क्षमता घटती चलती गई है। 'आत्मनिर्भरता' पाने का शोर मचाने पर ज्यादा जोर देने से इसमें और जटिलता आई है। भारत द्वारा रक्षा मामले में आत्मनिर्भरता की कोशिशें वैश्विक लिहाज से वास्तव में जरूरी हैं, लेकिन युद्धक क्षमता बनाम स्वदेशीकरण एवं आत्मनिर्भरता के मामले में हकीकत उत्साहजनक नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के रक्षा और सैन्य क्षेत्र में सुधार के सराहनीय संकल्प के साथ पदभार संभाला था और 'आत्मनिर्भरता' बनाने को एक मुख्य मिशन के रूप में चिह्नित किया था। लेकिन एक दशक बाद भी, समग्र दृश्यावली मिश्रित और अपारदर्शी है। एक व्यापक समीक्षा बताती है कि भले ही इस उद्देश्य की प्राप्ति में कुछ सफलता गाथाएं हैं और कुछ बड़ी परियोजनाएं पूरी होने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन भारतीय सेना में महत्वपूर्ण साजो-सामान की कमी बनी हुई है। इससे हो यह रहा है कि आज हमारी थल सेना तोपों, टैंकों और व्यक्तिगत हथियारों की कमी झेल रही है। एक नौसेना है, जो विमान वाहक जहाज से संलग्न लड़ाकू विमान और पानी के नीचे उपयुक्त युद्धक क्षमता पाने की प्रतीक्षा कर रही है, एक वायु सेना है जो लड़ाकू विमानों की बेहद कमी से जूझ रही है और एक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो अपने किए गए वादे तयशुदा समय-सीमा में पूरे करने में असमर्थ है। लड़ाकू क्षमता और स्वदेशीकरण के दोहरे उद्देश्यों को साकार करने के वास्ते, रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय एक महत्वपूर्ण संकेतक है।

कुछ अलग

जिंदगी का गणित

लंबे समय से देश में इस बात को लेकर गंभीर विमर्श होता रहा है कि स्कूल-कालेजों में शिक्षा का स्वरूप जीवन के व्यावहारिक ज्ञान पर आधारित होना चाहिए। अकसर देखने में आता है कि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के विभिन्न विषयों में जिन गूढ़ सिद्धांतों को रटते रहते हैं उसका हमारे जीवन व रोजगार से कोई व्यावहारिक सरोकार नहीं दिखता। यही वजह है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि शिक्षा पद्धति रटने वाली होने के बजाय संवादात्मक शिक्षण पर आधरित हो। जो वास्तविक ज्ञान सीखने पर बल दे। जिससे पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र स्कूल-कालेजों में अर्जित ज्ञान को वास्तविक जीवन स्थितियों में उपयोग कर सकें। जिससे छात्र अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना करने के लिये तैयार हो सकें। नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनर्जी और एस्थर डुफ्लो द्वारा तैयार किए गए और हाल ही में चर्चा में आए एक अध्ययन का निष्कर्ष बताता है कि छात्रों को दैनिक जीवन में काम आने वाले व्यावहारिक गणित के ज्ञान में पारंगत होना चाहिए। जैसा गुण बाजार में काम करने वाले भारतीय बच्चों में देखने में आता है। अकसर महसूस किया जाता है कि कक्षाओं में पढ़ाया जाने वाला गणित जीवन व्यवहार में काम नहीं आता। दूसरे शब्दों में कहें तो सीखने की सहज और औपचारिक शैलियों के बीच एक बड़ा अंतर पाया जाता है। जो इस बात पर बल देता है कि पाठ्यक्रम में सुधार करके इस खाई को पाटने का अविलंब प्रयास किया जाए। यह निर्विवाद सत्य है कि दुनिया भर में कम आय वर्ग वाली पृष्ठभूमि वाले स्कूली बच्चों के लिये गणित जैसे विषय में महारत हासिल करना एक चुनौती होती है। बल्कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो उनमें गणित को लेकर एक फोबिया जैसा होता है। कमोबेश भारतीय बच्चे भी इसका अपवाद नहीं हैं। यही क्रम पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहता है। लेकिन इस विसंगति की तह तक जाने के लिये कोई गंभीर पहल नहीं हो पायी। वहीं दूसरी ओर देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो गरीबी और विषम पारिवारिक परिस्थितियों के कारण स्कूलों का मुंह नहीं देख पाए। जिसके चलते पारिवारिक मजबूरियों के कारण उन्हें छोटे-मोटे काम करने के लिये बाध्य होना पड़ता है। मसलन फेरी लगाना या सड़कों के किनारे छोटा-मोटा सामान बेचने का कार्य उन्हें करना पड़ता है। अध्ययन बताता है कि वे बिना किसी सहायता के पलभर में जटिल गणितीय गणनाएं कर सकते हैं। दरअसल, स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले अमूर्त गणित को समझना छात्रों के लिये खासा कठिन होता है। वहीं दूसरी ओर विरोधाभास यह है कि इन छात्रों के स्कूल जाने वाले, जो साथी गणित में उत्कृष्ट होते हैं, वे व्यावहारिक जीवन में बुनियादी गणनाओं को करने में अकसर विफल ही साबित होते हैं। वहीं दूसरी ओर देश में शिक्षा की वार्षिक स्थिति वाली रिपोर्ट यानी एएसईआर-2024 से पता चलता है कि सरकारी और निजी स्कूलों में छह से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों में अंकगणित के स्तर में सुधार हुआ है। निस्संदेह, इसे एक अच्छा संकेत माना जाना चाहिए। लेकिन वास्तव में जरूरत इस बात की है कि छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़ने और जीवन की गणनाओं में उनके व्यावहारिक कौशल को निखारने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से ऐसा कोई भी प्रयास नई शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में मददगार हो सकता है, जो व्यावहारिक शिक्षा दिए जाने की जरूरत पर बल देती है। वास्तव में ऐसा कोई भी प्रयास छात्रों को किताबी कीड़ा या परीक्षा योद्धा बनाने के बजाय स्ट्रीट-स्मार्ट बनाकर उनकी रोजगार पाने की क्षमता और योग्यता में सुधार करने में मददगार साबित हो सकता है।

देश दुनीया से

हर घर नल जल योजनाः लक्ष्य तक पहुंचने की चुनौती

केंद्र सरकार की हर घर नल जल योजना ने शहरों से लेकर गांवों तक लोगों के जीवन को सरल बना दिया है। इस योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जिससे लोगों का जीवन सुगम हो और जल जनित बीमारियों में कमी आए। देश के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शत-प्रतिशत घरों को नल के माध्यम से जल आपूर्ति की सुविधा मिल रही है, लेकिन बिहार सहित कुछ राज्यों में इस परियोजना के क्रियान्वयन में चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके कारण यह योजना अब तक अपने उद्देश्यों को पूरी तरह सफल नहीं कर पाई है। राजधानी पटना स्थित अदालतगंज का स्लम इलाका भी ऐसा ही क्षेत्र है, जहां लोगों को समय पर स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो रहा। हालांकि प्रशासन और संबंधित विभाग इन चुनौतियों के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत हैं। पानी की समस्या का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। अदालतगंज के ईंख मोहल्ले की निवासी मेहर देवी कहती हैं कि "मोहल्ले में सुबह छह बजे पानी आता है और दस बजे बंद हो जाता है, फिर शाम को तीन बजे से रात दस बजे तक जल आपूर्ति होती है। कई बार पानी समय पर नहीं आता, जिससे हमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।" वहीं, करुणा देवी बताती हैं कि "अक्सर निर्माण कार्य के चलते नालियां जाम हो जाती हैं, जिससे गंदा पानी पाइपलाइन में मिलकर नलों से निकलने लगता है।" कुसुम देवी के अनुसार, "नल जल योजना के तहत जो पानी आता है, वह कई बार बहुत गंदा और बदबूदार होता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति इस पानी को पीकर बीमार पड़ सकता है, इसलिए हम कहीं और से साफ पानी लाकर पीते हैं। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने पर दस से पंद्रह दिनों तक जलापूर्ति ठप हो जाती है, जिससे हमें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।" गायत्री देवी कहती हैं कि "नल जल योजना के क्रियान्वयन के बावजूद कई स्थानों पर खुली नालियों का दूषित पानी पेयजल पाइपलाइन में चला जाता है, जिससे अक्सर शाम को गंदा और बदबूदार पानी आता है।" पटना सचिवालय और पटना जंक्शन के निकट स्थित इस स्लम बस्ती की आबादी लगभग 1,000 है, जिसमें 60% ओबीसी और 20% अल्पसंख्यक समुदाय के लोग निवास करते हैं। अदालतगंज, ईंख कॉलोनी और ड्राइवर कॉलोनी नामक तीन मोहल्लों में विभाजित इस क्षेत्र के निवासी आज भी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीने को मजबूर हैं। ड्राइवर कॉलोनी की पुष्पा कुमारी कहती हैं, "नल जल योजना के बाद भी यहां स्वच्छ पानी की भारी कमी है। कई बार शाम को भी गंदा पानी आता है।" आशा देवी के अनुसार, "नल से दूषित पानी आने के कारण हम पीने के लिए हैंडपंप के पानी का इस्तेमाल करते हैं।" वहीं, इंदु कुमारी बताती हैं कि "यहां हर पखवाड़े पानी की पाइपलाइन फट जाती है, जिससे नालियों का गंदा पानी उसमें मिल जाता है। अक्सर इस पानी को पीने से बच्चे बीमार हो जाते हैं।" स्थानीय समाजसेवी सिद्धनाथ के अनुसार, "हर घर नल जल योजना बिहार में जल संकट को दूर करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, ताकि जल जनित बीमारियों को कम किया जा सके और लोगों को सुरक्षित जल उपलब्ध हो। लेकिन योजना के क्रियान्वयन में गंभीरता की कमी के कारण यह अपनी पूरी क्षमता से सफल नहीं हो पा रही है। हालांकि, नगर निगम और संबंधित विभाग कई बार नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हैं, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए सुनियोजित रखरखाव की आवश्यकता है। इसके लिए एक निगरानी तंत्र बनाना जरूरी है, जो समस्या उत्पन्न होने से पहले ही उसका समाधान निकाल सके।" जल जीवन मिशन की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 तक बिहार के 95.71% घरों में स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। खगड़िया, मधेपुरा और शेखपुरा जिलों में 100% लक्ष्य प्राप्त हो चुका है, जबकि राजधानी पटना में 96.61% लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार द्वारा भी स्वच्छ जल योजना के तहत गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार 1.63 करोड़ परिवारों को नल के माध्यम से जलापूर्ति कर रही है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को लाभ मिल रहा है। कई जिलों में प्रतिदिन छह घंटे जलापूर्ति की जा रही है, जिससे जल संकट की समस्या काफी हद तक हल हुई है। फिर भी, कई घरों को नियमित रूप से स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इसके पीछे रखरखाव की कमी एक बड़ी समस्या मानी जा सकती है। इसके समाधान के लिए कुछ ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। जैसे पाइपलाइन और जलाशयों की नियमित निगरानी एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, मोबाइल जल परीक्षण प्रयोगशालाएं शुरू की जाए, ताकि मौके पर पानी की गुणवत्ता की जांच और सुधार किया जा सके। इसके अलावा प्रशासन और विभागों के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी जल संरक्षण, स्वच्छता और जल उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। वहीं इस अभियान में स्थानीय स्तर पर संचालित स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा कर बहुत हद तक समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। बहरहाल, चुनौतियों के बावजूद हर घर नल जल योजना बिहार के ग्रामीण और अदालतगंज जैसी स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह सच है कि अभी भी कुछ क्षेत्रों में जल आपूर्ति और गुणवत्ता को लेकर समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन सरकार और स्थानीय एजेंसियां इनके समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रही हैं, जो सराहनीय है। यदि सुधारों को सही तरीके से लागू किया जाए, तो न केवल हर घर को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकता है, बल्कि स्वस्थ बिहार की परिकल्पना भी साकार हो सकती है।

आप का नजरीया

अंततः आयकर कटौती

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों- अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की ब्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है। लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकी को गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

दिल्ली चुनाव में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद कांग्रेस को फिर याद आए हिंदू : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बांग्लादेश हिंसा पर किए गए ट्वीट पर पलटवार करते हुए कहा है कि दिल्ली चुनावों में करारी हार के बाद अब कांग्रेस नेताओं को एक बार फिर हिंदू याद आने लगे है। दिल्ली चुनावों में तुष्टीकरण के चलते धर्म विशेष को खुश करने के लिए इतने दिन किसी भी कांग्रेस नेता के मुंह से बांग्लादेश हिंसा पर एक शब्द नहीं निकला लेकिन दिल्ली चुनाव के नतीजे आने के बाद एक बार फिर कांग्रेस नेताओं ने छद्म हिंदुत्व का राग अलापना शुरू कर दिया है। सदैव तुष्टीकरण की बात करने वाले भी अब हिंदू हितों की बात करने लगे हैं यह अच्छी बात हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि बांग्लादेश हिंसा को लेकर केंद्र सरकार कूटनीतिक रूप से वहां की सरकार पर दबाव बना रही है। केंद्र सरकार

एवं विदेश मंत्रालय में समय समय पर बांग्लादेश के दूतावास एवं बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने का कड़ा संदेश दिया हैं साथ ही विदेश मंत्रालय पूर्ण स्थिति पर निगाह बनाए हुऐ है। केंद्र सरकार के साथ ही भाजपा ऐसी अमानवीय घटनाओं की पूर्णत: रोकथाम के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के अनेक लोकतांत्रिक देशों से बात कर उन देशों द्वारा भी बांग्लादेश पर यथोचित दबाव बनाने का निरंतर प्रयास किया हैं। केंद्र सरकार के इन प्रयासों के कारण ही बांग्लादेश में निर्मम अमानवीय हिंसक घटनाओं पर अंकुश लगा हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए पुजारियों के मानदेय बढ़ोतरी के निर्णय को ऐतिहासिक बताया और कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ तुष्टीकरण किया था, एक ही धर्म को आगे बढ़ाने का कार्य किया। हम सभी धर्मों का सम्मान करते है। मंदिरों को कांग्रेस सरकार ने कोई सहयोग नहीं किया उल्टा मंदिरों पर टैक्स लगाए। देवस्थान विभाग ने अंडरटेकिंग करने का काम किया है। सीएम भजनलाल ने पवित्र स्थल कुंभ में जाकर मंत्रिमंडल की बैठक की और पुजारियों का मानदेय बढाया। वहीं मंदिरों के विकास पर उन्होंने कहा कि मंदिर संस्कार व आध्यात्मिक शक्ति के स्थल है और मंदिर जाने के बाद आमजन में आत्मविश्वास का भाव जागृत होता है। इस दौरान दिल्ली चुनावों के नतीजों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह सही है असत्य ज्यादा दिन नहीं चल सकता। अन्ना हजारे के आंदोलन से उपजी देशवासियों की भावनाओं को केजरीवाल ने हथियार बनाया और आम आदमी के नाम का सहारा लेकर दिल्ली की सत्ता हासिल की। इसके बाद केजरीवाल और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी आकंठ भ्रष्टाचार में डूब गए थे। उनके ऐसे कारनामो को देखकर लगता है कि आम आदमी पार्टी का लंबा भविष्य नहीं है। दिल्ली चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि पीएम नरेंद्र मोदी ही स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे सकते है। दिल्ली के बाद अब बिहार के चुनावों में भाजपा जीत का परचम लहराएगी।

किसानों की उन्नति से होगा देश का विकास : उपराष्ट्रपति

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के राशमी उपखंड मुख्यालय पर मेवाड़ के हरिद्वार कहे जाने वाले मातृकुंडिया तीर्थ स्थल पर महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने मंगलेश्वर महादेव के दर्शन कर पूजा की। इसके बाद वे सभा स्थल पहुंचे, जहां जाट समाज के प्रतिनिधियों की ओर से उनका अभिनंदन करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। स्वागत अभिभाषण के बाद उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम में महिलाओं की उपस्थिति को लेकर कहा कि यह इस बात का प्रतीक है कि समाज सही दिशा में अग्रसर है। उन्होंने मातृकुंडिया के महत्व को बताते हुए कहा कि यह वह स्थान है, जहां से कोई भी मनोकामना शुरू होती है तो अवश्य पूरी होती है। उन्होंने अपने विधायक रहने के दौरान वर्ष 1993 में शुरू हुए जाट आरक्षण आंदोलन को लेकर कहा कि सामाजिक न्याय के संघर्ष की शुरुआत यहीं से हुई है। इसमें उन्हें सफलता मिली और आज समाज के कई लोग इसके जरिए सेवा देकर समाज के विकास में भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने किसानों के विकास को देश की आर्थिक रीढ़ बताते हुए कहा कि किसान की उन्नति से

ही देश का विकास होगा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को लेकर कहा कि यह संकल्प पूरा होने जा रहा है। इसमें किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने समाज के युवाओं से आह्वान किया कि देश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक व्यवस्था किससे जुड़ी हुई है, किसान वर्ग के प्रतिभाशाली युवक और युवतियां इससे जुड़े। आगे बढ़े और सरकार की योजनाओं से जुड़ कर आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो।

गुरुग्राम में रैपिड एक्शन फोर्स ने फ्लैग मार्च कर दिया सुरक्षा का भरोसा

गुरुग्राम (हिंस)। रविवार को रैपिड एक्शन फोर्स ने उप-कमांडेंट सुनील कुमार के नेतृत्व में पुलिस जोन पश्चिम गुरुग्राम के पुलिस थानों के क्षेत्र में परिचित अभ्यास के लिए पुलिस लाईन गुरुग्राम में सहायक पुलिस आयुक्त मंजीत सिंह गुरुग्राम से मुलाकात की। रैपिड एक्शन फोर्स की टीम व पुलिस ने साथ मिलकर थाना क्षेत्रों के संवेदनशील और अति संवेदनशील इलाकों का भ्रमण किया। साथ ही थाना क्षेत्र के बारे में पूर्ण जानकारी हासिल की। इस दौरान पुलिस लाईन गुरुग्राम से मोर चौक, अग्रवाल धर्मशाला चौक, गुरुद्वारा रोड, सोहना चौक, भूतेश्वर मंदिर चौक, खांडसा मंडी, हिमगिरी चौक, बसई फ्लाईओवर, ईएसआई अस्पताल सेक्टर-9, सेक्टर-4/7 चौक, बाबा प्रकाशपुरी चौक, भगत सिंह चौक, शीतला माता रोड, सीआरपी चौक, कटारिया चौक, एमडीआई चौक (पुराना महाराणा चौक), सेक्टर-14 कॉलेज, पुलिस लाईन्स गुरुग्राम तक एरिया में फ्लैग मार्च किया गया।

आम आदमी पार्टी अंदर से बेईमान थी, ऊपर से ईमानदार : विज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के 68 उम्मीदवार जमानत नहीं बचा पाने व आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों के हारने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पार्टियां और भी हारती हैं लेकिन लोग उन्हें वैसे ही जानते है। आम आदमी पार्टी ने कैमोफलेगिंग (छलावरण) कर रखी है। यह अंदर से कट्टर बेईमान थे लेकिन ऊपर से कट्टर ईमानदार बने हुए थे। इनकी पोल, सच और झूठ की लड़ाई में खुल गई। उन्होंने कहा यह प्रकृति का नियम है कि झूठ की ही हार होती है। विज ने रविवार को अंबाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने दिल्ली चुनाव में आप के वोट बैंक पर कांग्रेस के सेंध लगाने तथा इंडी गठबंधन को लेकर किए सवाल पर कहा कि इंडी की भिंडी बन गई है। इंडी नाम की कोई चीज नहीं है। जो भी वहां आए सब हार गए। पंजाब कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा द्वारा पंजाब मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने कि वो भाजपा में चले जाएंगे, पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यही इंडी मॉडल है। एक पार्टनर दूसरे पार्टनर पर इस प्रकार की टिप्पणियां कर रहा है। अभी विधिवत गठबंधन टूटने की घोषणा तो नहीं हुई, लेकिन टिप्पणियां शुरू हो गयी है।

टोल फ्री की मांग पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा के झरोठी टोल पर रविवार दोपहर मंडोरा व मंडोरी के ग्रामीणों ने टोल फ्री कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि टोल के आसपास के कई गांवों को छूट मिली हुई है, लेकिन मंडोरा व मंडोरी गांव के लोगों को छूट नहीं दी जा रही। जबकि उनका तहसील व कोर्ट खरखौदा में लगातार आना-जाना होता है। ग्रामीण एकत्रित होकर झरोठी टोल पर पहुंचे और टोल मैनेजर मुकेश चौहान से उनके गांवों के वाहनों के भी टोल फ्री करने की मांग की। मैनेजर ने इस दौरान ग्रामीणों का कहा कि टोल फ्री करने या न करने का अधिकार केवल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग अथारिटी के पास है। वह इसके लिए उनके पास जा सकते हैं। ग्रामीण मंथली पास बनवाना चाहते हैं तो बनवा ले, जिसकी फीस 340 रुपये है। इसके लिए ग्रामीण इसके लिए तैयार नहीं हुए। इस दौरान विधायक पवन खरखौदा मौके पर पहुंचे और टोल मैनेजर से बात की। जिसके बाद टोल मैनेजर द्वारा दोनों गांव के नाम पर रजिस्टर्ड वाहनों की टोल पर से फ्री में आवाजाही कराने की बात को मान लिया गया।

अग्निवीर स्कीम के खिलाफ राजस्थान से दिल्ली कूच करेंगे : बेनीवाल

चूरू (हिंस)। एक धार्मिक आयोजन में शामिल होने चूरू से सरदारशहर पहुंचे नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अग्निवीर स्कीम का विरोध किया। शनिवार रात तेजाजी मंदिर में मूर्ति अनावरण समारोह में उन्होंने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अग्निवीर आंदोलन का नेतृत्व इस बार राजस्थान करेगा। अग्निवीर स्कीम को समाप्त करने की मांग लेकर हम दिल्ली कूच करेंगे। दिल्ली का घेराव करेंगे। केंद्र सरकार को मजबूर करेंगे कि वह सेना का सम्मान लौटाए। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शेखावाटी (सीकर चूरू झुंझुनूं), नागौर, हनुमानगढ़ और भरतपुर से हमारे युवा देश भक्ति की भावना के साथ सेना में शामिल होते हैं। बेनीवाल ने खींवसर उपचुनाव में आरएलपी की हार पर कहा कि मुझे खींवसर की नहीं, राजस्थान की रखवाली करनी है। डर था कि वो (ज्योति मिर्धा) एडजस्टमेंट कर वापस दिल्ली न भाग जाए। मेरे बिना वो रुकती नहीं। कई बार ऐसा हो जाता है। हम कमजोर नहीं हैं। अब राजस्थान की धरती से नई क्रांति पैदा होगी। किसान जवान का बेटा आंदोलन करेगा। सरदार शहर वीर भूमि है। ये मत सोचो कि आपकी संख्या कम है। राजस्थान में आप 50-55 सीटों को सीधे प्रभावित करते हैं। 125 सीटों पर ताकत है। मैंने आपको जगा दिया। रोने से राज नहीं मिलते। उन्होंने कहा कि जो दागदार हैं वो किसी भी वक्त जेल जा सकते हैं। ये खबर सुनने के लिए तैयार रहो। जो गलत रहेगा उसका रास्ता जेल की तरफ

जाएगा ही। सारी व्यवस्थाओं से बंधे लोग हैं। मैं पहले ही जेल जाकर आ गया तो मुझे खतरा नहीं है। मुझे पहले ही जेल में डाल दिया था। ताकि, हनुमान बेनीवाल उबरे नहीं। मुझ पर झूठे मामले लगाए, मेरा कितना पीछा किया। फिर भी आपके सामने मैं एमएलए बनकर आया। अपना दर्द किसको बयान करूं। जिस व्यक्ति (हनुमान बेनीवाल) के लिए कहा गया कि मार दो इसको, जिंदा नहीं रहना चाहिए, वही व्यक्ति आज लड़ रहा है। बेनीवाल ने कहा कि सरदार शहर में लोग लंबे समय से कब्जा करके बैठे हैं। चुनाव के वक्त ठग बड़ी गाड़ी से आते हैं। चश्मा लगाकर आते हैं। उनका पता करना ये ठग कौन हैं, कहां से आते हैं। वोट की ताकत बड़ी होती है। कोई गाड़ी से आए या बिना गाड़ी के आए, ध्यान रखना। जिन लोगों के वोट की संख्या ज्यादा नहीं है वे राज कर रहे हैं। दिमाग लगाओ वो उनके वोट भी आपके पास आ जाएंगे। लोकतंत्र में बदलाव चलता रहा है। दिमाग लगाओगे तो सरदार शहर ठीक हो जाएगा। ये मत सोचना कि आरएलपी खींवसर हारकर कमजोर हो गई। मैं तो सांसद हूं ही। कमजोरी आती है तो ताकत भी आती है।

अलग प्रदेश के लिए पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा कराएगा जनमत संग्रह

गाजियाबाद (हिंस)। पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा उत्तर प्रदेश के पश्चिम क्षेत्र के 27 जिलों को मिलाकर अलग प्रदेश बनवाने की मांग पिछले कई वर्षों से सरकार से कर रहा है। इसके लिए मोर्चा ने उत्तर प्रदेश के पश्चिम क्षेत्र के 27 जिलों में जनमत संग्रह कराने का फैसला लिया है। फैसला रविवार को बम्हेटा स्थित (सी ब्लॉक जयपुरिया) पर फार्म हाउस में आयोजित बैठक में लिया गया। जनमत संग्रह के लिए मोर्चा ने कलेक्ट्रेट के गेट, घंटा घर नगर निगम के ऑफिस के गेट, तहसील एवं नया बस स्टैंड के पास मेट्रो स्टेशन को चुना है। इन पर मोर्चा के सदस्य वैलेट पेपर द्वारा नागरिकों से जनमत संग्रह कराएंगे। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित लोगों में मोर्चा के पश्चिम प्रदेश निर्माण मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सत्यपाल सिंह यादव, महासचिव कर्नल सुधीर चौधरी, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाराशर, जगदीश सिंह जिला अध्यक्ष मेरठ, ओमप्रकाश सैना, गौरव यादव, खालिद मिर्जा,टीकम नागर, सौरभ अग्रवाल, पवन रघुवंशी, जगदीश प्रसाद शर्मा, गौरव यादव, सत्य प्रकाश गिरी आदि मौजूद रहे।

स्कूली छात्रा सहित चार लोग लापता तलाश में जुटी पुलिस

फतेहाबाद (हिंस)। जिले में अलग-अलग स्थानों से एक स्कूली छात्रा सहित चार लोगों के लापता होने का समाचार है। सभी मामलों में परिजनों द्वारा रविवार को संबंधित थानों में शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव चन्द्रावल निवासी हनुमान ने कहा है कि उसका 25 वर्षीय भांजा प्रदीप कुमार पुत्र रामफल निवासी शिकारपुर जिला हिसार उसके पास रहता था। गत दिवस वह बिना बताए घर से कहीं चला गया है और वापस नहीं लौटा है। उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में भूना पुलिस ने केस दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है। दूसरे मामले में भूना पुलिस ने कंबोज मोहल्ला, भूना निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर उसकी 21 वर्षीय लड़की के लापता होने बारे केस दर्ज किया है।

अक्षय कुमार परिवार के साथ पहुंचे जवाई लेपर्ड कंजर्वेशन

पाली (हिंस)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार परिवार के साथ छुट्टियां बिताने जवाई लेपर्ड कंजर्वेशन पहुंचे हैं। पत्नी ट्विंकल खन्ना, बेटी नितारा और बेटे आरव के साथ अक्षय कुमार तीन दिन से होटल सुजान जवाई में रुके हुए हैं। रविवार को वे पत्नी के साथ लेपर्ड सफारी पर निकले। इससे पहले भी अक्षय कुमार शुक्रवार और शनिवार को लेपर्ड सफारी पर निकले थे। अभिनेता अक्षय कुमार 31 दिसंबर को परिवार के साथ जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व पहुंचे थे। जहां उन्होंने इंप्रेशन सेंटर देखने के साथ ही लेपर्ड सफारी की थी। वे ढाई घंटे तक झालाना लेपर्ड रिजर्व में मौजूद रहे थे। सफारी के दौरान अक्षय कुमार को लेपर्ड नजर नहीं आया था। अरावली की पहाड़ियों के बीच उन्होंने अपने परिवार के साथ मोबाइल से फोटो क्लिक की थी। अब तक जवाई की पहचान बांध को लेकर थी। लेपर्ड के कारण कुछ साल में यह देश का नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना है। लेपर्ड सफारी के लिए ये सबसे बेहतर जगहों में से

एक है। यहां क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से लेकर कई बड़े सेलिब्रिटी आ चुके हैं। इतना ही नहीं, यहां कई एड फिल्म भी शूट हो चुके हैं। यहां हर साल टूरिस्ट की संख्या भी बढ़ती जा रही है। जवाई एरिया को कुछ साल पहले जवाई लेपर्ड कंजर्वेशन रिजर्व घोषित किया गया था। यहां लेपर्ड की संख्या सबसे ज्यादा थी। यहां के पैरवा, सैणा, जीवदा, बिसलपुर, दूदनी, कोठार, लालपुरा, सिवेरा और लुंदाड़ा समेत करीब 20 गांव ऐसे हैं, जहां लेपर्ड की 50-60 फैमिली है। ज्यादातर लेपर्ड का ठिकाना इंसानी आबादी के निकट है। इससे पहले क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, विक्की कौशल और कटरीना कैफ, उर्फी जावेद ने भी जवाई लेपर्ड सफारी का आनंद ले चुकी हैं।

पंजाब सरकार ने प्रवासी भारतीयों के लिए जारी किया व्हाट्सएप नंबर

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने एनआरआई (प्रवासी भारतीय) की समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए एक व्हाट्सएप नंबर 9056009884 जारी किया है, जिसके माध्यम से वे अपनी समस्याओं और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं। एनआरआई की शिकायतों के त्वरित निपटारे के लिए ये शिकायतें संबंधित विभागों के साथ-साथ पंजाब पुलिस के एनआरआई विंग के एडीजीपी को भेजी जाएंगी। अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट पर जा कर देख सकते हैं, जहां उन्हें एनआरआई पुलिस विंग, एनआरआई स्टेट कमीशन और एनआरआई सभा से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध होगी। प्रशासनिक सुधार और एनआरआई मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने रविवार को बताया कि एनआरआई मामलों का विभाग द्वारा विदेशों में बसे पंजाबियों के जन्म प्रमाण पत्र, विभिन्न दस्तावेजों की प्रमाणिकता (काउंटरसाइन) और सत्यापन की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इनमें जन्म प्रमाणपत्र, नॉन-अवेलेबिलिटी बर्थ सर्टिफिकेट, जन्म की देरी से एंट्री, पुलिस क्लीयरेंस, मेडिकल सर्टिफिकेट, शैक्षिक योग्यता प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस प्रमाणपत्र, मृत्यु प्रमाणपत्र, विवाह/तलाक प्रमाणपत्र, डिक्री, गोद लेने से संबंधित डीड, हलफनामा, फिंगरप्रिंट प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। एनआरआई अपने घर से ही ई-सनद पोर्टल के माध्यम से इन दस्तावेजों के काउंटरसाइन और सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

लखनऊ में ज्वैलर्स की दुकान से सोना लेकर महिला फरार

लखनऊ (हिंस)। चौक थाना क्षेत्र में रविवार को एक महिला ज्वैलर्स की दुकान से सोने से भरा बॉक्स लेकर फरार हो गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात महिला चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय ने बताया कि पीएल ज्वैलर्स की ओर से तहरीर दी गई है। इसमें बताया कि एक महिला जो बुर्के में थी, वह अंगूठी खरीदने के लिए यहां पर आई थी। इसी दौरान मौका पाकर करीब 980 ग्राम सोना बॉक्स समेत लेकर फरार हो गई। महिला की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध कराया गया है।

महाकुंभ की छवि धूमिल करने के मामले में 14 एक्स अकाउंट के खिलाफ मुकदमा

पुलिस की मानीटरिंग में चिन्हित किए गए एक्स सोशल मीडिया अकाउंट

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ पुलिस की छवि धूमिल करने पर सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट एवं अफवाह फैलाने के आरोप में रविवार को 14 एक्स सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमों की पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है। एसएसपी (महाकुम्भ) राजेश द्विवेदी ने बताया कि सोशल मीडिया पर महाकुंभ से संबंधित भ्रामक पोस्ट एवं अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ जांच का आदेश डीजीपी की ओर से दिया गया। इसी क्रम में सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की गई। इस दौरान जानकारी हुई कि धनबाद, झारखंड के एक एक्स मीडिया अकाउंट पर पड़े वीडियो को भ्रामक रूप से महाकुंभ प्रयागराज का बताया जा रहा है। उस पर अफवाह फैलाई जा रही है कि महाकुंभ में अपने गुमशुदा परिजन की तलाश करने वाले श्रद्धालुओं की योगी की पुलिस द्वारा खूब पिटाई की जा रही है। इस वीडियो की तथ्यात्मक और सत्यता की जांच करने के बाद यह पता चला कि यह धनबाद, झारखंड में वहां की पुलिस द्वारा एक जनवरी 2025 को किए गए लाठीचार्ज की घटना से संबंधित है। इसका खण्डन भी कुंभ मेला पुलिस के एकाउंट से किया गया। उन्होंने बताया कि जिस तरह उत्तर प्रदेश सरकार एवं पुलिस की छवि धूमिल करने के साथ ही आम जनमानस के मन में सरकार के प्रति विद्वेष फैलाने का प्रयास करने वाले ऐसे 14 एक्स ट्विटर अकाउंट को पुलिस ने चिह्नित किया। उसके बाद सभी के खिलाफ महाकुंभ कोतवाली में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्ण बहुमत से जीतेंगे बिहार विधानसभा चुनाव : सम्राट चौधरी

भागलपुर (हिंस)। बिहार सरकार में भाजपा कोटे से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रविवार को भागलपुर पहुंचे। इस, दौरान सम्राट चौधरी का भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया। इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जिस तरह केजरीवाल बिहारी और पूर्वांचल के खिलाफ झूठ फैला रहे थे। पूर्वांचल के लोगों को गाली दे रहे थे। इसका बदला पूर्वांचल के लोगों ने ले लिया। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि एनडीए पूरी तरह एकजुट है। इसको लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार प्रगति यात्रा के माध्यम से लोगों तक पहुंच रहे हैं। 24 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भागलपुर की धरती पर आ रहे हैं। 2025 का चुनाव हमलोग पूर्ण बहुमत से जीतेंगे।

एफपीआई ने फरवरी के पहले सप्ताह में बाजार से 7,342 करोड़ निकाले

दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था

नई दिल्ली

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने चालू महीने के पहले सप्ताह में स्थानीय शेयर बाजारों से 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2024 में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 15,446 करोड़ रुपये का निवेश किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर बाजार की धारणा वैश्विक वृहद आर्थिक घटनाक्रमों, घरेलू नीतिगत उपायों और मुद्रा के उतार-चढ़ाव से तय होगी। आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने सात फरवरी तक भारतीय शेयरों से 7,342 करोड़ रुपये निकाले हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई की निकासी का एक प्रमुख कारण वैश्विक व्यापार तनाव था, क्योंकि अमेरिका ने कनाडा, मेक्सिको और चीन जैसे देशों पर शुल्क लगाया है, जिससे व्यापार युद्ध की संभावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस अनिश्चितता की वजह से वैश्विक निवेशकों ने जोखिम न उठाने का विकल्प चुना है। इसके चलते वे भारत जैसे उभरते बाजारों से निकासी कर रहे हैं। भारतीय रुपया भी कमजोर होकर पहली बार 87 प्रति डॉलर से नीचे आ गया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का प्रतिफल घटता है और उनके लिए भारतीय संपत्तियां कम आकर्षक रह जाती हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध लिवाल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड में साधारण सीमा के तहत 1,215 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 277 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उल्लेखनीय है कि एफपीआई ने 2024 में भारतीय शेयरों में सिर्फ 427 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

न्यूज ब्रीफ

कोल इंडिया का सीएसआर पर खर्च अप्रैल-जनवरी में 36.5 फीसदी बढ़ा, एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर खर्च 36.5 प्रतिशत बढ़कर 497 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने सीएसआर पर 364 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अधिकारी ने बताया कि घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाली कंपनी सीआईएल अपने सीएसआर कोष का 70 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सेवा, पोषण एवं स्वच्छता तथा शिक्षा एवं आजीविका पर खर्च करती है। कंपनी ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) में वह सीएसआर पर सबसे अधिक खर्च करने वाली कंपनी रही है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में ही सीएसआर पर 572 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। बयान में कहा गया है कि कंपनी की सीएसआर गतिविधियों से 3.5 करोड़ लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पिछले दशक के दौरान कोल इंडिया ने सीएसआर गतिविधियों पर 5,570 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

बजाज ऑटो की चालू वित्त वर्ष में ई-रिक्शा बाजार में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने कहा कि वह चालू वित्त वर्ष के आखिरी तक घरेलू ई-रिक्शा बाजार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि वह तेजी से बढ़ते, लेकिन काफी हद तक असंगठित ई-रिक्शा बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहती है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक ने विश्लेषकों को बताया कि कंपनी को अपने ई-रिक्शा के लिए चालू तिमाही के अंत तक नियामकीय मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जिससे वह इस क्षेत्र में उतर सकेगी। ई-रिक्शा बाजार फिलहाल मासिक 45,000 इकाई का है। उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष के अंत तक हमारा इरादा एक आधुनिक 'ई-रिक्शा' पेश करने का है, जो इस खंड में बिल्कुल नया मानक स्थापित करेगा और मालिकों और यात्रियों दोनों को उच्च स्तर की संतुष्टि प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा खंड तिपहिया खंड जितना ही बड़ा है और नए ई-रिक्शा से नया कारोबार उत्पन्न होना चाहिए।

यूएएन एक्टिवेशन और बैंक अकाउंट लिंक करने की तारीख बढ़ी, प्राइवेट जॉब में हैं तो 15 फरवरी तक निपटा लें कुछ जरूरी काम, वरना होगा नुकसान

नई दिल्ली। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों और कंपनियों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) को एक्टिव करने और बैंक अकाउंट को आधार से लिंक करने की तारीख 15 फरवरी तक बढ़ा दी है। यह तारीख कई बार बढ़ाई गई है, जो ईपीएफओ की रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) का लाभ उठाने के लिए महत्वपूर्ण है। यूएएन एक 12-अंकों की पहचान संख्या है, जिसका उपयोग प्रोविडेंट फंड अकाउंट को मैनेज करने के लिए किया जाता है। कर्मचारियों को फंड ट्रैक करने, उन्हें एक्सेस करने और वित्तीय लेन-देन को सरल बनाने के लिए यूएएन एक यूनिफाइड प्लेटफार्म प्रदान करता है। ईएलआई योजना का लक्ष्य फॉर्मल सेक्टर में नौकरियों की संख्या बढ़ाना है, और केंद्र सरकार ने 2024 के केंद्रीय बजट के दौरान तीन ईएलआई योजनाएं (एबीसी) शुरू कीं हैं।

आयात शुल्क कम होने के बाद सोने की तस्करी में आई कमी : सीबीआईसी प्रमुख

जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने जुलाई, 2024 में कीमती धातु पर आयात शुल्क कम किया, जिसके बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी देखी गई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सीमा शुल्क और डीआरआई अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। जुलाई में सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर नियमित निगरानी रख रहे हैं। तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है। यह आमतौर पर तब होता है जब सीमा शुल्क इतना अधिक होता है कि तस्कर ऐसे उत्पादों को चोरी-छिपे लाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। सीबीआईसी के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) भारत में तस्करी-रोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, अकेले डीआरआई अधिकारियों ने 1,319 किलोग्राम सोना जब्त किया था। यह 2023-24 में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी द्वारा जब्त किए गए 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है। वर्ष के दौरान सीबीआईसी द्वारा 1,922 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है।

ग्लोबल एक्सपो में विनफास्ट ने नई कारों को किया पेश

नई दिल्ली। वियतनाम की इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी विनफास्ट ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अपनी नई कारों को पेश किया। कंपनी की नई कारों में विनफास्ट वीएफ 6 और विनफास्ट वीएफ 7 शामिल हैं, जिन्हें 2025 के फेस्टिव सीजन में भारत में लॉन्च किया जा सकता है। इसके अलावा, कंपनी ने पुष्टि की कि 2026 में वह अपनी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कार विनफास्ट वीएफ 3 को भारतीय बाजार में उतारेगी। यह कॉम्पैक्ट कार अपने छोटे साइज के बावजूद चार लोगों के बैठने के लिए उपयुक्त होगी। विनफास्ट वीएफ 3 का डिजाइन बॉक्सी स्टाइल में तैयार किया गया है, जिसमें दो दरवाजे दिए गए हैं। इसका लुक एमजी कॉमेट ईवी से मिलता-जुलता है। इसमें हैलोजन हेडलाइट्स, ब्लैक क्लोज्ड-ऑफ ग्रिल और क्रोम बार दिया गया है। कार के आगे और पीछे ब्लैक-आउट सेक्शन, हैलोजन टेल लाइट्स और बॉडी क्लैडिंग दी गई है, जिससे यह ज्यादा स्टाइलिश लगती है। इस इलेक्ट्रिक कार के इंटीरियर में 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और 10-इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन है, जो ड्राइवर डिस्प्ले का भी काम करती है। इसका ऑल-ब्लैक केबिन थीम स्लीक लुक देता है। कार में चार सीटें हैं, जिनमें पीछे बैठने के लिए आगे की सीट को मोड़ा जा सकता है। इसमें मैनुअल एसी और फ्रंट पावर विंडो जैसी सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें एबीएस, ईबीडी, कई एयरबैग्स और रियर पार्किंग सेंसर मौजूद हैं। विनफास्ट वीएफ 3 में 18.64 केडब्ल्यूएच की बैटरी दी गई है, जो 41 पीएस की पावर और 110 एनएम टॉर्क जनरेट करने वाली इलेक्ट्रिक मोटर से लैस है। यह कार एक बार चार्ज होने पर 215 किमी की रेंज देगी। फास्ट चार्जिंग से बैटरी 36 मिनट में 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती है।

सेक्टरों में मजबूत आर्थिक गतिविधि से 800 अरब डॉलर के पार होगा भारत का निर्यात

नई दिल्ली

भारत का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 800 अरब डॉलर को पार कर सकता है। इसका कारण है देश के सभी सेक्टरों में मजबूत आर्थिक गतिविधि का होना। सरकार द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि यूनियन कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर, पीयूष गोयल ने कहा कि निर्यात तेजी से बढ़ रहा है और पिछले चार सालों में इसमें काफी बढ़ोतरी हुई है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान उन्होंने कहा कि हम पहली बार 800 अरब डॉलर से ज्यादा निर्यात के साथ वित्तीय वर्ष समाप्त करेंगे। हालांकि घरेलू स्तर पर उपलब्धता की कमी और उच्च मांग के कारण पेट्रोलियम उत्पाद, कोकिंग कोयला, दालें और खाद्य तेल जैसे कुछ उत्पादों का आयात करना जरूरी हैं। घरेलू खपत बढ़ने के साथ आयात में वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि उन क्षेत्रों में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने में कुछ साल लगेंगे। वैश्विक बाजार में कई श्रेणियों में भारत के उत्पादों की मांग बढ़ने के कारण, देश का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 778 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया था, जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह 466 बिलियन डॉलर था, जो कि 67 फीसदी की भारी वृद्धि है।

गोयल के मुताबिक विश्व व्यापारिक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी भी 1.66 फीसदी से बढ़कर 1.81 फीसदी हो गई, जिससे देश रैंकिंग में 20वें से 17वें स्थान पर पहुंच गया। यह उपलब्धि तब हासिल हुई जब सरकार ने निर्यात वृद्धि को बनाए रखने और तेज करने के लिए कई पहल की। देश ने शीर्ष 10 वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं में अपनी रैंक बनाए रखने या सुधारने के साथ कई प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में तेज वृद्धि दर्ज की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर पर देश के रणनीतिक फोकस के प्रभावशाली परिणाम मिले हैं।

भारत में बाइक शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन लॉन्च

स्टायलिश बाइकों का निर्माण करने वाली कंपनी रॉयल इनफिल्ड ने अपनी लिमिटेड एडिशन बाइक शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन को भारत में लॉन्च कर दिया है। 13 फरवरी, सुबह 2 बजे से रॉयल इनफिल्डकी एप पर इसकी बुकिंग शुरू होगी। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 4.25 लाख रुपये रखी गई है। इस खास एडिशन की सिर्फ 100 यूनिट्स दुनियाभर में उपलब्ध होंगी, जिनमें से भारत के केवल 25 लकी ग्राहक इसे खरीद सकेंगे। शॉटगन 650 आइकॉन एडिशन में 648सीसी का पाराल्ले द्य ट्विन इंजन दिया गया है, जो 47 बीएचपी की पावर और 52.3 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स से लैस है और किसी भी मौसम में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने का दावा करता है।

भारत में सेमीकंडक्टर मार्केट तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद, अमेरिका और चीन को मिलेगी कड़ी टक्कर

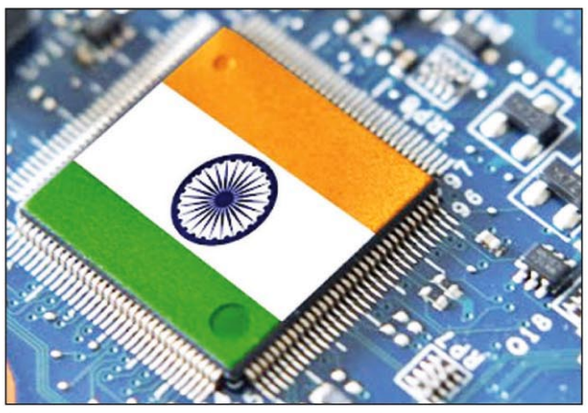

नई दिल्ली

भारत में सेमीकंडक्टर सेक्टर तेजी से उभर रहा है और अगले पांच सालों में इस बाजार की तस्वीर बदलने की संभावना है। इस मार्केट का विस्तार होने से भारत ने अमेरिका और चीन को टक्कर देने की तैयारी की है। सेमीकंडक्टर होते हैं छोटे इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, जिनका मुख्य उपयोग कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। भारत में उनकी मांग बढ़कर नौकरियों के नए अवसर भी उत्पन्न होने की संभावना है। भारतीय सेमीकंडक्टर मार्केट का आंकड़ा 2025 तक 103.4 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो एक अद्वितीय बाजार के उद्भव का संकेत है। इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में सेमीकंडक्टर की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट को भी महत्वपूर्ण फायदा होगा। सेमीकंडक्टर के सेक्टर में आरएंडडी निवेश, सरकारी प्रोत्साहन योजनाएं और उद्योग सहयोग के माध्यम से भारत ने आगे कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है।

सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन को बढ़ावा देने और देश में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए रिपोर्ट ने कुछ सुझाव दिए हैं। उनमें विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पीएलआई की योजनाएं का रखा गया मूल्य है, जिससे स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाकर देश में और ज्यादा निर्माण हो सके। विश्व सेमीकंडक्टर बाजार में अमेरिका और चीन का महत्वपूर्ण स्थान है, लेकिन भारत की भूमिका में भी ऐतिहासिक बदलाव की संभावना है। इस रुप्ये के दौर में सेमीकंडक्टर सेक्टर के विकास से देश को एक नया उद्योग क्षेत्र का दर्शन हो सकता है।

विदेशों में आयातित खाद्य तेल महंगे होने से देश के तेल-तिलहन बाजार में सुधार के संकेत

रुपया कमजोर होने तथा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेलों में सुधार को बल मिला

नई दिल्ली

विदेशों में आयातित खाद्य तेलों के भाव में बढ़ोतरी होने तथा आने वाले त्योहारों की वजह से आवक कम होने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम सुधार के साथ बंद हुए। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने तथा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेलों में सुधार को बल मिला। बाजार सूत्रों ने कहा कि इन सबके अलावा विनिमय दर बढ़ाये जाने से भी खाद्य तेल कीमतों में मजबूती रही। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 6,100-6,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 150 रुपये के सुधार के साथ 13,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,265-2,365 रुपये और 2,265-2,390 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 500 रुपये, 400 रुपये और 350 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में अकेले मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,275-5,600 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। लेकिन इसके विपरीत, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 20 रुपये के सुधार के साथ 14,050 रुपये और 2,135-2,435 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 650 रुपये सुधरकर 12,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 650 रुपये मजबूत होकर 14,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 650 रुपये बढ़कर 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

स्टाइलिश एसयूवी मारुति फ्रांक्स की कीमतों में वृद्धि

नई दिल्ली। कार निर्माता मारुति सुजुकी कंपनी ने अपनी सबसे स्टाइलिश एसयूवी मारुति फ्रांक्स की कीमतों में वृद्धि कर दी है। कंपनी ने 500 रुपये से लेकर 5500 रुपये तक कीमतों में इजाफा किया है, जो तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। मारुति सुजुकी की आधिकारिक वेबसाइट नेक्सा पर नई कीमतें अपडेट कर दी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेल्टा 1.2 एजीएस, डेल्टा प्लस 1.2 एजीएस और डेल्टा प्लस (ओ) 1.2 एजीएस वेरिएंट्स की कीमतों में 5500 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, अन्य सभी वेरिएंट्स की कीमतों में 500 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अब मारुति फ्रांक्स की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.52 लाख रुपये हो गई है, जबकि इसके टॉप वेरिएंट की कीमत 9.43 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

त्रिकोणीय सीरीज के पहले ही मैच में रचिन रविंद्र चोटिल हुए

लाहौर

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज के पहले ही मैच में खराब फ्लड लाइट के कारण एक खिलाड़ी घायल हो गया। पाकिस्तान के साथ हुए इस मैच में न्यूजीलैंड के रचिन रविन्द्र को लगी इस चोट के बाद पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) निशाने पर है। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के ठीक पहले हुए इस हादसे से पता चलता है कि कि पीसीबी की तैयारियों आईसीसी

चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले पीसीबी की तैयारियों की पोल खुली

चैम्पियनशिप के लायक नहीं हैं। उसके मैदान अभी तक पूरी तरह से तैयार नहीं हैं पर इसके बाद भी पीसीबी ने उनके तैयार होने का दावा किया है। कीवी खिलाड़ी को लगी चोट से साफ हो गया कि उसके मैदान अभी तक खेलने लायक नहीं बन पाए हैं। इस हादसे से खिलाड़ियों के मन में डर समा गया है। त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज का पहला मैच पाक और न्यूजीलैंड के बीच गद्दाफी क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया, लेकिन इस मैच में कीवी टीम के रविंद्र बुरी तरह से चोटिल हो गए। सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि रचिन को यह चोट खराब फ्लड लाइट्स के कारण लगी, जिसकी वजह से वह कैच को सही तरह से देख नहीं पाए और गेंद उनके आंख के बिल्कुल पास में आकर लगी। गेंद लगते ही खून निकलने लगा और उनका चेहरा लहूलुहान हो गया। इसके बाद फौरन उन्हें मैदान से बाहर लेकर जाया गया।

इस मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने पाक को उसी की धरती पर 78 रनों से हरा दिया। मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कीवी टीम ने ग्लेन फिलिप्स के पहले एकदिवसीय शतक से 50 ओवर में 6 विकेट पर 330 रन बनाये।

न्यूज ब्रीफ

एसए 20 में सनराइजर्स के जोर्जी ने लगाया सबसे लंबा छक्का

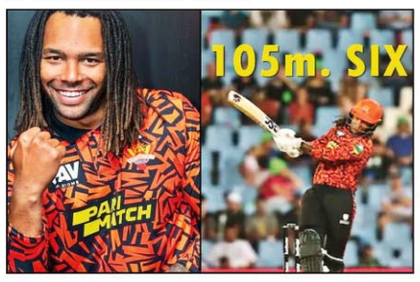

वांडरर्स। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बल्लेबाज टोनी डी जोर्जी भले ही एसए 20 लीग में अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर 105 मीटर लंबा छक्का लगाने के लिए उनकी जमकर चर्चा हो रही है। जोर्जी ने 23 गेंद में 26 रन बनाये। 27 साल के जोर्जी के नाम भारत के खिलाफ एक शतक भी है। साल 2023 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। तब उस दूसरे एकदिवसीय में जोर्जी ने 119 रन की मैच विजेता पारी खेली थी। जोर्जी ने दूसरे क्वालीफायर में पार्ल रॉयल्स पर आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज ने तब टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक लगाते हुए केवल 49 गेंद में 11 चौके और दो छक्के की सहायता से 78 रन बनाए थे। इस मैच में एमआई केप टाउन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 181 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद सनराइजर्स ईस्टर्न केप की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ही ओवर में डेविड बेडिनगाम पेवेलियन लौट गये। इसके बाद अन्य बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये और टीम तय लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी।

पाक प्रधानमंत्री बोले, भारतीय टीम को हराना मुश्किल, हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा है कि 23 फरवरी को दुबई में होने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबले में भारतीय टीम को हराना आसान नहीं होगा। इसलिए उनकी टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने ये बात चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। शरीफ ने कहा कि हमारी टीम अच्छी है और उसने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैम्पियंस ट्रॉफी ही नहीं दुबई में होने वाले मैच में भारतीय टीम को हराना भी रहेगा। साथ ही कहा कि पाक टीम को इस मुकाबले में पूरे देश का समर्थन मिलेगा। भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा पाक पर हावी रही है हालांकि चैम्पियंस ट्रॉफी में एक बार पाक को भी जीत मिली है। पाकिस्तान ने आईसीसी मुकाबले में अंतिम बार भारतीय टीम को 2021 में दुबई में टी20 विश्व कप के एक मुकाबले में हराया था। पाक टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में गत विजेता के तौर पर उतरेगी। उसने इससे पहले 2017 में इंग्लैंड में आयोजित किए गए टूर्नामेंट में जीत हासिल की थी। शरीफ ने कहा कि यह पाक टीम 29 साल के बाद किसी आईसीसी प्रतियोगिता की मेजबानी कर रही है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि हमारी टीम चैंपियंस ट्रॉफी में भी जीत दर्ज करेगी।

तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन के चोटिल होने से परेशान न्यूजीलैंड की टीम, अपने रेडियोलॉजिस्ट से रिपोर्ट मिलने का इंतजार

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में

खेलना संदिग्ध है इससे टीम को वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इंटरनेशनल लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई थी। इस चोट से वे परेशान हैं। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन कराया गया है। न्यूजीलैंड को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले ट्राई सीरीज भी खेलनी है, इसमें पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका अन्य दो टीम हैं। पाकिस्तान के खिलाफ ट्राई सीरीज के मैच की शुरुआत से पहले आईसीसी ने स्टीड के हवाले से कहा, ''लॉकी का कल संयुक्त अरब अमीरात में स्कैन हुआ था। हम अपने रेडियोलॉजिस्ट से रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रहे हैं, जो हमें इसकी गंभीरता के बारे में हमें बताएगा। कोच स्टीड ने कहा कि विशेषज्ञों की सलाह के बाद फर्ग्यूसन के संबंध में फैसला होगा। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड की टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिचेल, विलयम ओ'रुर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन और विल यंग शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दूसरे टेस्ट में 9 विकेट से हराया, सीरीज 2-0 से जीती

गाले

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने गाले में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में श्रीलंका की टीम को 9 विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को पारी और 242 रन के बड़े अंतर से हराया था।

पैट कमिंस की अनुपस्थिति में श्रीलंका दौरे पर स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया की टीम को यह सफलता मिली है। टीम 2011 के बाद पहली बार श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रही है। आखिरी बार 2011 में माइकल क्लार्क की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका दौरे पर जीत मिली थी।

गाले में खेले गए दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। टीम ने पहली पारी में 257 रन बनाए। इस दौरान टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 85 रन बनाए और दिनेश चांडीमल ने 163 गेंदों पर 74 रन की पारी खेली। इनके अलावा दिमुथ करुणारत्ने ने 36, रमेश मेंडिस ने 28, पथुम निसांका 11 और कामिंडू मेंडिस ने 13 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टार्क, मैथ्यू कुहनेमैन और नाथन लियोन ने क्रमश: 3-3 विकेट लिए। ट्रेविस हेड को एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 414 रन का स्कोर बनाया। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने 15 चौके और 2 छक्कों की मदद से 188 गेंदों में 156 रन और कप्तान स्टीव स्मिथ ने 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 254 गेंदों में 131 रनों की पारी खेली। इनके अलावा उस्मान ख्वाजा ने 36 रन और ब्यू वेबस्टर ने 31 रन बनाए। पहली पारी के लिहाज ने ऑस्ट्रेलिया ने 157 रनों की बढ़त हासिल की।

श्रीलंका के लिए प्रभात जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। निशान पीरिस ने 3 और रमेश मेंडिस ने 2 विकेट हासिल किए। इसके बाद श्रीलंका की दूसरी पारी 231 रन पर सिमट गई। इससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 75 रनों का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में श्रीलंका के लिए एंजेलो मैथ्यूज ने सबसे बड़ी पारी खेलकर 76 रन बनाए। कुसल मेंडिस ने 50 रन की पारी खेली। इन दो बल्लेबाजों के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज ज्यादा कुछ नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुहनेमैन 4, नाथन लियोन 4 और ब्यू वेबस्टर ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेहनाम टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 75 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए उस्मान ख्वाजा ने नाबाद रहते हुए 27 और मार्नस लाबुशेन ने 26 रन की पारी खेली। ट्रेविस हेड ने 20 रन बनाए।

श्रीलंका के लिए एकमात्र विकेट प्रभात जयसूर्या ने लिया। अब ऑस्ट्रेलिया टीम को श्रीलंका में 2 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है।

पूर्व कोच साईराज बहुतुले आईपीएल 2025 से पहले आरआर में होंगे शामिल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कोच आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) में शामिल होने को तैयार हो गए हैं। भारत के पूर्व स्टैंड-इन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले जल्द ही फ्रेंचाइजी में शामिल होंगे। बहुतुले टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ के स्थाई सदस्य नहीं थे। उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में श्रीलंका की यात्रा भी की। वह हाल ही में अपने पद से हट गए थे, लेकिन अब आईपीएल में वापसी कर रहे हैं। साईराज बहुतुले ने कहा कि वह फ्रेंचाइजी के साथ अपनी भागीदारी को अंतिम रूप देने के करीब हैं। अभी भी कुछ काम किया जाना बाकी है, लेकिन वह रॉयल्स के साथ फिर से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह राहुल के साथ फिर से जुड़ने के लिए रोमांचित हैं। बता दें साईराज ने 1997 से 2003 के बीच 2 टेस्ट और 8 वनडे मैच खेले। टीम इंडिया के साथ अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद राहुल द्रविड़ ने आरआर में मुख्य कोच के रूप में वापसी की। वह पहले 2011 से 2013 तक आरआर के साथ जुड़े थे। द्रविड़ ने 3 साल तक राजस्थान टीम के लिए खेला। उन्होंने सेवानिवृत्ति के बाद आरआर के कोच का पद संभाला और उनका कार्यकाल दो साल का रहा। द्रविड़ को 2017 में आईपीएल टीमों की कोचिंग छोड़नी पड़ी क्योंकि वह बीसीसीआई के साथ काम कर रहे थे। आरआर ने 2018 में आईपीएल में वापसी की। नवंबर 2021 से जून 2024 तक टीम इंडिया के साथ एक सफल कार्यकाल के अंत के बाद द्रविड़ ने आरआर में लौटने का फैसला किया। उनके संरक्षण में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप जीता और 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचा।

श्रेयस की टीम में जगह पक्कीन होने से हैरान रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग ने भी भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टीम इंडिया में शामिल नहीं होने पर हैरानी जताई है। अय्यर ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में 11 मैचों में 530 रन बनाए और भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बावजूद बीसीसीआई ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया। लेकिन अय्यर ने आईपीएल 2024 में अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को चैंपियन बनाकर करारा जवाब दिया।

वह सीमित ओवरों के ही नहीं, बल्कि टेस्ट फॉर्मेट में भी शानदार बल्लेबाज हैं। इसके बावजूद उन्हें टीम से अंदर-बाहर किया जाता रहा है। अय्यर ने नागपुर में इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 36 गेंदों पर 59 रन बनाकर अपनी काबिलियत का एक और उदाहरण पेश किया। वहीं, घरेलू क्रिकेट में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है।

विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए दो शतक जड़कर उन्होंने साबित किया कि वह किसी भी स्थिति में रन बना सकते हैं। रिकी पोंटिंग भी अय्यर की अनदेखी से हैरान हैं।

पोंटिंग ने कहा, मैं हैरान हूं कि वह पिछले कुछ सालों से भारतीय टीम से अंदर-बाहर हो रहे हैं। उन्होंने 2023 वर्ल्ड कप में मध्यक्रम में बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और मुझे लगा था कि उन्होंने अपनी जगह पक्की कर ली है।

लेकिन फिर उन्हें चोट लग गई और वह टीम से बाहर हो गए। आईपीएल 2024 में श्रेयस अय्यर को पंजाब किंग्स ने 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा है, जो उनके कौशल और महत्व को दर्शाता है।

इएचएफ चैम्पियंस लीग महिला फुटबॉल

स्लोवेनिया में इएचएफ चैम्पियंस लीग महिला फुटबॉल में गोल दागती हुई क्रिम मरकेटर।

इंग्लैंड की महिला टीम भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए भारत पहुंची

भुवनेश्वर

इंग्लैंड की महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के भारत चरण के मैचों के लिए ओडिशा के भुवनेश्वर पहुंच गई है। रविवार को टीम का बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत हुआ।

विश्व की सातवें नंबर की टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 के भारत चरण में मेजबान भारत और वर्तमान विश्व नंबर 1 नीदरलैंड से भिड़ेगी, जो 15 से 25 फरवरी तक भुवनेश्वर में होने वाला है। इंग्लैंड महिला टीम अपना पहला मैच 15 फरवरी को मेजबान भारत से खेलेगी। एफआईएच प्रो लीग के अपने अब तक सफर में इंग्लैंड महिला टीम ने एक जीत और तीन हार दर्ज की है।

फॉरवर्ड डार्सी बॉर्न ने भारत पहुंचने पर अपनी खुशी साझा करते हुए कहा, हम भारत में आकर बहुत उत्साहित हैं, खासकर हीरो हॉकी इंडिया लीग के बाद, हमें उम्मीद है कि यहां का माहौल वाकई शानदार होगा। मैं पहली बार भारत आई हूं, लेकिन यहां हॉकी को लेकर जो उत्साह है, वैसा मैंने पहले कभी नहीं देखा, इसलिए मैं बेहद उत्साहित हूं।

मुख्य कोच डेविड राल्फ ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हमें उम्मीद है कि मैच बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे, लेकिन हम उत्साहित हैं। लड़कियों के लिए भारतीय दर्शकों के सामने खेलना अद्भुत होगा। हॉकी में यह सबसे अच्छी चीजों में से एक है जिसका आप अनुभव कर सकते हैं।

लाल रूमाल को सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं कई खिलाडी

नई दिल्ली

बीते दिनों हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने सिर पर लाल रूमाल बांधकर बल्लेबाजी की और ताबड़तोड़ चौके-छक्कों की बरसात कर दी। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं।

हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में सिर्फ बल्ले से ही नहीं, बल्कि गेंद से भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत की जीत में उनका अहम योगदान रहा। दिलचस्प बात यह रही कि अभिषेक शर्मा से पहले भी कई दिग्गज खिलाड़ी लाल रूमाल को अपने सौभाग्य का प्रतीक मानते रहे हैं। वीरेंद्र सहवाग, सौरव गांगुली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी लाल रूमाल का उपयोग कर चुके हैं। लाल किताब के अनुसार, सिर पर टोपी पहनना, पगड़ी बांधना या लाल रूमाल रखना सौभाग्य को बढ़ाता है। ज्योतिष के अनुसार, लाल रंग ऊर्जा, जोश और

आत्मविश्वास का प्रतीक होता है।

यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मक शक्ति को आकर्षित करता है। विशेष रूप से मेष राशि वालों के लिए लाल रंग अत्यधिक शुभ माना जाता है, क्योंकि इसका स्वामी ग्रह मंगल होता है। अभिषेक शर्मा का जन्म 4 सितंबर 2000 को हुआ था और उनकी राशि मेष है। ज्योतिष के अनुसार, मेष राशि के जातकों के लिए मंगल ग्रह का मजबूत होना सफलता दिलाने में मदद करता है। सिर पर लाल रूमाल बांधने से मंगल ग्रह को बल मिलता है, जिससे व्यक्ति का साहस, आत्मविश्वास और ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। यही कारण है कि क्रिकेट के मैदान में लाल रूमाल कई खिलाड़ियों के लिए भाग्यशाली साबित हुआ है। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को भी लाल रूमाल बेहद प्रिय था। 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में सहवाग ने 319 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी, और उस दौरान उनके पास लाल रूमाल था। इसे क्रिकेट प्रेमी एक संयोग मान सकते हैं, लेकिन ज्योतिष और लाल किताब में इसे शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। अभिषेक शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि लाल रूमाल सिर्फ एक टोटका नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रतीक भी हो सकता है।

टेस्ट क्रिकेट से ज्यादा कठिन टी20 प्रारूप में खेलना, हर गेंद पर रन बनाना होता : रयान रिकेल्टन

नई दिल्ली । जहां कई लोग टेस्ट क्रिकेट को किसी भी खिलाड़ियों के लिए अंतिम चुनौती मानते हैं, वहीं, दक्षिण अफ्रीका के रयान रिकेल्टन का कहना है कि टी20 प्रारूप उससे ज्यादा कठिन है। पाकिस्तान के खिलाफ अपने धमाकेदार प्रदर्शन से रिकेल्टन साल 2016 के बाद दक्षिण अफ्रीका के पहले दोहरे टेस्ट शतकवीर बने है। हालांकि, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने संकेत दिया है कि ये रन बनाना एसए20 में फाइनलिस्ट एमआई केप टाउन के लिए 7 पारियों में बनाए 303 रनों की तुलना में काफी आसान था। रिकेल्टन ने कहा कि मैं बड़ा होकर एक टेस्ट खिलाड़ी बनना चाहता था और मैंने सोचा था कि टी20 में, आप बस कुछ ही कर सकते हैं, लेकिन टी20 क्रिकेट तेजी से बदल रहा है। रिकेल्टन ने बताया कि टी20 में लगातार दबाव में खेलने की चुनौती इस टेस्ट की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बनाती है, जहां कोई अपना समय लगा सकता है और कम तीव्रता के साथ अपना काम कर सकता है। टेस्ट क्रिकेट में, आप अपना समय बिता सकते हैं और कम तीव्रता के साथ अपना काम कर सकते हैं।

टिप्स

हमेशा जवान बने रहना चाहते हैं तो यह रहे कुछ आसान नुस्खे

दुनिया में कौन ऐसा शख्स होगा जोकि हमेशा जवान नहीं बने रहना चाहता हो। लेकिन जवान रहने की चाहत रखना ही काफी नहीं है इसके लिए आपको काफी कुछ करना भी होता है जिससे बढ़ती उम्र का असर शरीर पर दिखता नहीं है। वृद्धावस्था वैसे तो एक सत्य है लेकिन इसे अपने पर हावी नहीं होने देंगे तो सदैव जवान बने रहेंगे। मन से जवान अगर आप हैं तो तन से भी कैसे जवान बने रह सकते हैं इसके लिए हम कुछ उपाय यहाँ आपको बता रहे हैं-

» पपीते के टुकड़े को प्रतिदिन चेहरे पर रगड़ने से चेहरे की झाइयां गायब हो जाएंगी और धूल कण भी साफ हो जाएंगे।

» प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करें। जैसे कि राजमा में काफी प्रोटीन होता है और इससे कोलेस्ट्राल का स्तर भी कम होता है। राजमा दिल की बीमारियों का खतरा भी कम करता है। इसमें फाइबर और पोटैशियम भरपूर मात्रा में है।

» खुद को तनाव से दूर रखें यदि किसी चीज को लेकर चिंता में हैं तो मनोरंजक कार्यक्रम देखें या मित्रों से मिलें ताकि मन बहले। इसके अलावा मेडिटेशन का भी सहारा ले सकते हैं।

» नींद पूरी लें और ज्यादा सोने से बचें। आठ घंटे की नींद दिन भर में शरीर के लिए पर्याप्त है।

» पानी खूब पीना चाहिए लेकिन यह याद रखें कि खाना खाने के बीच में या एकदम बाद पानी नहीं पिएं।

» अलसी रोजना सुबह खाएं। यह शरीर को जवान रखने के लिए रामबाण के समान है।

» मखनफल को एवोकैडो भी कहा जाता है। विटामिन ई से भरपूर यह फल त्वचा को सुरक्षा प्रदान करता है और उसे जवां बनाए रखता है।

» ब्रोकली विटामिन सी का प्रमुख स्रोत है। यह भी काफी फायदेमंद है।

» डार्क चाकलेट खाने से शरीर में जहां फैट कम होता है वहीं त्वचा और बालों की सुंदरता भी बढ़ती है।

» ब्ल्यूबेरी का सेवन करें। इसमें मौजूद खास तरह के मिनरल्स आपको जवां बनाए रखने में मददगार साबित होंगे।

» जिम जाएं, योग करें या फिर घर पर ही थोड़ी-बहुत एक्सरसाइज करें लेकिन कुछ ना कुछ करें जरूर ताकि शरीर फिट रह सके। यदि शरीर फिट है तभी ज्यादा समय तक जवां दिखेंगे।

» विटामिन सी वाले खाद्य पदार्थों मसलन- आंवला, संतरा, पपीता, नींबू, टमाटर आदि का सेवन भी लाभकारी है।

» रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर रख दें और सुबह इस पानी को पी लें इससे पेट भी साफ रहेगा और त्वचा पर चमक भी आयेगी।

» मछली का तेल भी काफी फायदेमंद है। इसका नियमित सेवन करेंगे तो शरीर में नई ताकत आ जायेगी।

» गेहूँ का ज्वारा खाने से भी त्वचा चमकदार होती है और झुर्रियां गायब होती हैं।

» मूँग दाल को रात में भिगो कर रख दें और सुबह इसे चबा चबाकर खाएं, फिर देखें कुछ ही दिनों में कैसे चमत्कार होता है।

10 टिप्स: डायटिंग की जरूरत नहीं, यूं आसानी से घटाएं वजन

अगर कोई आपसे पूछे कि वजन कम करने के लिए क्या करना चाहिए? तो जवाब होगा सुबह रनिंग करो, जिम जाओ या डायटिंग करो। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे तरीके, जिनसे आप बिना कुछ किए अपना वजन कम कर सकते हैं। जी हां, वह भी खा-पीकर, हंसकर, सोकर और मस्ती करके...

दूध पीने से कम होता है वजन

स्टडीज में देखा गया है कि दूध पीने वाले लोगों का मेटाबॉलिज्म सही रहता है। वजन कम करने के लिए जरूरी है कि आप उस गाय का दूध पिएं, जो घास खाती हो। ऐसी गायों के दूध में एक खास तरह का ऐसिड होता है, जो शरीर में जमा फैट को बर्न करने की रफ्तार बढ़ा देता है।

भरपूर नींद लीजिए, पतले होइए

यह बात भी एकदम सही है। जब हम सोते हैं तो शरीर रिपेयर मोड में रहता है। जो लोग पूरी नींद नहीं लेते हैं उनकी बॉडी का सिस्टम ही डिस्टर्ब हो जाता है। हॉरमोन्स भी डिसबैलंस्ड हो जाते हैं, जिसका नतीजा मोटापे के रूप में देखने को मिलता है। तो रात को फोन पर बातें बंद, ऑफिस का काम ऑफिस में निपटाइए और सीरियल भी अगली सुबह देख लीजिए। भरपूर नींद लीजिए और शरीर के सिस्टम को फिट रखिए।

हंस-हंसकर कम कीजिए वजन

पुरानी कहावत है कि हंसना एक दवा है। हंसने से न सिर्फ नर्व्स रिलैक्स होती हैं, बल्कि इम्यून सिस्टम भी इम्प्रुव होता है। यही नहीं, इससे कैलरीज भी बर्न होती हैं। ठहाका लगाकर हंसने के दौरान हार्ट बीट बढ़ती है, ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और पेट के मसल्स टोन होते हैं। अगर आप दिन में 5 बार भी खुलकर हंसते हैं तो साल में 4.4 पाउंड वजन कम कर सकते हैं। ख्याल रखिए, वजन कम करना है तो एक-एक ग्राम मायने रखता है।

ग्रीन टी से बर्न कीजिए फैट

ग्रीन टी पीने से मेटाबॉलिक सिस्टम ठीक हो जाता है। इससे एक हफ्ते में आप 400 कैलरीज तक बर्न कर सकते हैं। यही नहीं, ग्रीन टी में ऐंटि-ऑक्सिडेंट्स भी होते हैं, जो कई तरह से फायदेमंद होते हैं।

ब्रेकफस्ट को नजरअंदाज न करें

ब्रेकफस्ट यानी सुबह का नाश्ता हमारे पूरे दिन के खाने का सबसे अहम हिस्सा होता है। हेल्दी ब्रेकफस्ट हमें अपने दिन की बेहतरीन शुरुआत करने में मदद करता है ताकि पूरे दिन हमें काम करने की एनर्जी मिले। भले ही आप ऑफिस के लिए लेट क्यों न हो रहे हैं लेकिन ब्रेकफस्ट को नजरअंदाज न करें। सोकर उठने के 1 घंटे के अंदर ब्रेकफस्ट करने की आदत डालें। ऐसा करने से आपका मेटाबॉलिज्म बना रहेगा और वजन भी कम होगा।

अपने खाने पर ध्यान दें

बहुत से लोगों को टीवी देखते हुए खाना खाने की आदत होती है। घरवालों के बार-बार समझाने के बावजूद हम यह गलती करते हैं और हमें इस बात का ध्यान नहीं रहता कि हमने कितना खाना खा लिया। लिहाजा खाना खाते वक्त अपने खाने पर ध्यान दें कि आप अपने मुंह में कितना खाना डाल रहे हैं।

8 बजे से पहले डिनर

वजन घटाना है तो सबसे अहम बात है कि आपको रात में 8 बजे तक अपना डिनर कर लेना चाहिए ताकि आप प्री-डिनर स्नैक करने से बच जाएं। साथ ही डिनर के तुरंत बाद ब्रश करें और ग्रीन टी का सेवन करें। ऐसा करने से अगर आपके दिमाग में खाने का कोई ख्याल आ भी रहा होगा तो वह गायब हो जाएगा।

पानी ज्यादा पिएं

हमें हर दिन 8 ग्लास पानी पीना चाहिए। इस बारे में तो हम सबने सुना है लेकिन हम से बहुत कम ही लोग ऐसे हैं जो इस बात को फॉलो करते हैं। साथ ही जो लोग फॉलो करते भी हैं उन्हें भी नहीं पता कि पानी पीने का सही समय क्या है। खाने के बीच में पानी पीने से पाचन क्रिया धीमी हो जाती है जिससे शरीर में पोषक तत्वों का अब्जॉर्शन कम हो जाता है। शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए खाने से 15 मिनट पहले या 15 मिनट बाद ही पानी पिएं।

खाने से पहले फल खाएं

अगर आप भी घर बैठे-बैठे वजन घटाने के सपने देख रहे हैं तो शरीर को डीटॉक्सिफाई करने का बेहतरीन तरीका है फलों का सेवन। जब भी आप कोई हेवी मील करने जाएं उससे 30 मिनट पहले फल खा लें। साथ ही अगर आप चाहें तो खाली पेट भी फल खा सकते हैं। इन्हें पचाना आसाना होता है और यह शरीर को भरपूर ऊर्जा प्रदान करते हैं जिससे वजन भी कम होता है।

सेक्स कीजिए, मोटापा भगाइए

यह बात एकदम सही है। आधे घंटे के सेक्स सेशन में 150 से 200 कैलरीज बर्न होती हैं। लेकिन यह बात इस चीज पर निर्भर करती है कि आप किस अंदाज में सेक्स करते हैं। मिशनरी पोजिशन के अलावा दूसरी ऐथलेटिक सेक्स पोजिशंस अपनायी जाएं तो सेक्स, कार्डियो और टोनिंग, दोनों एक्सर्साइज का काम करता है। सेक्स के दौरान हार्टबीट तेज होती है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और फैट बर्न होती है।

सावधानी

इन टिप्स की मदद से दूर करें बच्चों में इंटरनेट की लत

आज कल की लाइफस्टाइल में टेक्नोलॉजी हर उम्र के लोगों के जीवन का एक जरूरी हिस्सा बन चुका है. इंटरनेट का प्रभाव हर उम्र के लोगों पर देखा जा सकता है. लेकिन इसका सबसे बुरा असर बच्चों पर पड़ रहा है. टेक्नोलॉजी जहां साइंस का दिया हुआ वरदान है, वहीं इसका ज्यादा इस्तेमाल बच्चों के शारीरिक विकास के साथ उनके दिमाग पर भी काफी बुरा असर डालता है.

इंटरनेट की वजह से बच्चे आउटडोर गेम्स से दूर हो गए हैं. जिस कारण वो मोटापे के साथ कई तरह की बीमारियों के शिकार होते जा रहें हैं.

अगर आपका बच्चा भी अपना ज्यादातर समय इंटरनेट पर ही गुजारता है, तो आप इन बातों को अपनाकर अपने बच्चे को इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करने से रोक सकते हैं.

1. आपका बच्चा इंटरनेट पर क्या देख रहा है. इसकी पूरी जानकारी रखना आपकी जिम्मेदारी है. साथ ही यह ध्यान रखें कि आपका बच्चा किस तरह के वीडियो गेम्स खेलता है, टीवी पर किस तरह की फिल्में या प्रोग्राम देखता है.

2. अपने बच्चे से इस बात पर जरूर चर्चा करें कि वीडियो गेम्स, फिल्म और टीवी प्रोग्राम में उन्हें क्या पसंद आया और क्या नहीं, और उससे उन्होंने क्या सीखा.

3. अपने बच्चों को ऐसे काम करने पर जोर दें, जो उनके लिए फायदेमंद हों. उन्हें पेड़ पौधे लगाना सिखाएं उनके लाभों के बारे में बताएं.

4. जितना हो सके अपने बच्चों को आउटडोर गेम्स में बिजी रखें. उनको खेलों से जुड़ी सभी जानकारी दें और खेल-कूद में उनकी ज्यादा से ज्यादा रुचि पैदा करें.

5. अपने बच्चों को ज्यादा इंटरनेट का इस्तेमाल करने ना दें. उनके इंटरनेट इस्तेमाल करने का एक समय निश्चित करें.

6. अपने बच्चों के बेड रुम में कभी भी टीवी, लैपटॉप, या मोबाइल फोन ना रखें.

7. अकसर माता-पिता अपने बच्चों के प्यार में इतने खो जाते हैं कि वो उनकी हर डिमांड को बिना सोचें समझे पूरी करने लगते हैं. आपका यह व्यवहार आपके बच्चे पर बहुत गलत असर डालता है, इसलिए ऐसा करने से बचें.

सक्सेस मंत्र : हमेशा खुश रहें और अपनी सोच पॉजिटिव बनाकर रखें

अमेरिका में जब एक कैदी को फांसी की सजा सुनाई गई तो वहां के कुछ वैज्ञानिकों ने सोचा कि क्यों न इस कैदी पर कुछ प्रयोग किया जाए। तब कैदी को बताया गया कि हम तुम्हें फांसी देकर नहीं लेकिन जहरीला कोबरा सांप डसाकर मारेंगे।

उसके सामने बड़ा सा जहरीला सांप ले आने के बाद कैदी की आंखे बंद करके कुर्सी से बांधा गया और उसको सांप नहीं बल्कि दो सेफ्टी पिन्स चुभाई गई। कैदी की कुछ सेकेन्ड में ही मौत हो गई, पोस्टमार्टम के

बाद पाया गया कि कैदी के शरीर में सांप के जहर के समान ही जहर है।

अब ये जहर कहां से आया जिसने उस कैदी की जान ले ली, वो जहर उसके खुद शरीर ने ही सदमे से उत्पन्न हुआ था। हमारे हर संकल्प से पॉजिटीव एवं निगेटीव एनर्जी उत्पन्न होती है और वो हमारे शरीर में उस अनुसार हॉर्मोन्स उत्पन्न करती है। 75 प्रतिशत बीमारियों का मूल कारण नकारात्मक सोंच से उत्पन्न ऊर्जा ही है ।

अपनी सोच सदैव सकारात्मक रखें और खुश रहें।

तीन रंगों की धरती लद्दाख में देखने के लिए बहुत कुछ है

तीनों रंगों की धरती लद्दाख अपने आप में अनेकों रहस्यों को समेटे हुए है। आकाश से इस पर अगर एक नजर दौड़ाई जाए तो मिट्टी रंग की जमीन में सफेद चादर बर्फ की देख आनंदित हुए बिना नहीं रहा जा सकता। जबकि घाटी में सफेद बर्फ से ढंके इन पहाड़ों की परछाईयां भी भयानक और खूबसूरत काली जमीन को प्रस्तुत करती हैं। और ज्यों ज्यों आदमी धरती की ओर लौटता है तो उसे यह धरती और भी खूबसूरत नजर आने लगती है जहां फूलों की घाटियों के साथ-साथ लामाओं की कतारें देख लगता है जैसे आदमी किसी परिलोक में आ गया हो।

लद्दाख आरंभ से ही इतिहास के पृष्ठों में रहस्यों से भरी भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। कहा जाता है कि एक चीनी यात्री फा-हेयन द्वारा 399 एडी में इस प्रदेश की यात्रा करने से पहले तक यह धरती रहस्यों की धरती थी और इसे दर्रों की भूमि के रूप में भी जाना जाता है तभी इसका नाम 'ला' और 'द्दागस' के मिश्रण से लद्दाख प?ा है जो समुद्रतल से 3500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित और करीब 97000 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला होने के कारण राज्य का सबसे बड़ा प्रदेश है।

जम्मू कश्मीर का सबसे बड़ा प्रदेश होने के साथ साथ लद्दाख विशिष्टताओं के कारण देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। अनेक जातियों, संस्कृतियों व भाषाओं का संगम बना यह प्रदेश एक खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। जो एक ओर पाकिस्तान तो दूसरी ओर चीन से घिरा हुआ है। लद्दाख के पर्वत पर्वतारोहण करने वालों के मध्य काफी लोकप्रिय हैं।

कब जाएं: हमेशा बर्फ से ढके रहने के कारण लद्दाख के अधिकतर भाग कई कई महीने समस्त विश्व से कटे रहते हैं लेकिन फिर भी मई से लेकर नवम्बर तक का मौसम इस क्षेत्र में जाने का सबसे अच्छा समय है।

कैसे जाएं: वायुमार्ग- जम्मू, चंडीगढ़, दिल्ली, श्रीनगर से लेह के लिए इंडियन एयरलाइंस की सीधी उड़ानें हैं।

लेह शहर में आपको टैक्सी, जीपें तथा जोंगा को किराए पर लेना पड़ता है। यह स्थानीय ट्रांसपोर्ट तथा बाहरी क्षेत्रों में जाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

रेल मार्ग: सबसे निकटतम रेलवे स्टेशन जम्मू है जो 690 किमी दूर है। और जम्मू रेलवे स्टेशन देश के प्रत्येक भाग से रेल द्वारा जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग: लेह तक पहुंचने के लिए जम्मू-श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग है जिसमें सबसे ऊंचा दर्रा 13479 फुट की ऊंचाई पर फोतुला है। लेह से श्रीनगर 434 किमी, करगिल 230 किमी तथा जम्मू 690 किमी दूर है।

क्या देखें: लेह अपने बौद्ध मंदिरों तथा मठों के लिए प्रसिद्ध है। जो पूरे लेह में स्थान स्थान पर कुकुरमुतों की तरह दिखते हैं। असल में यह बौद्ध मंदिर पुराने धार्मिक दस्तावेजों तथा चित्रों को सुरक्षित रखने के स्थान हैं। जो आज भी अपनी ओर सबको आकर्षित करते हैं।

लेह महल: इस महल का निर्माण सिगें नामग्यान ने 16वीं शताब्दी में करवाया था। यह महल शहर के बीचों बीच खड़ा हर आने जाने वाले को अपनी ओर आकर्षित करता तो है ही साथ ही में अपनी कला और भगवान बुद्ध के जीवन को जीवंत रूप से चित्रित करती पेंटिग्स इसकी खासियत हैं।

नामग्याल तेस्मो: लेह शहर जो एक घाटी में स्थित है इसके कारण और खूबसूरत नजर आता है जो कस्बे तथा लेह महल पर अपना प्रभाव छोड़ता है। यह पवित्र राजा का प्रभाव भी दिखाता है। इस मठ में भगवान बुद्ध की एकमूर्ति, दीवार की पेंटिंग्स, पुराने दस्तावेज तथा अन्य एतिहासिक और धार्मिक वस्तुएं रखी गई हैं।

लेह मस्जिद: इसका निर्माण 17वीं सदी में देलदन नामग्याल ने किया था जो अपनी मुस्लिम मां के प्रति एक श्रद्धांजलि थी। तुर्क और इरानी कलाकृति को अपने आप में समेटने वाली यह मस्जिद आज भी मुख्य बाजार में यथावत अपने स्थान पर है।

स्टाक पैलेस म्यूजियम: लेह कस्बे से 17 किमी दूर स्टाक में स्थित इस संग्रहालय में कीमती पत्थर, थंका (लद्दाखी चित्र), पुराने सिक्के, शाही मुकुट तथा अन्य शाही वस्तुएं रखी गई हैं। यह संग्रहालय सुबह सात बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है।

गोम्पा तेस्मो: लेह महल के पास ही स्थित यह गोम्पा भगवान बुद्ध की डबल स्टोरी मूर्ति के लिए जाना जाता है जिसमें भगवान बुद्ध को बैठी हुई मुद्रा में दिखाया गया है। यह भी शाही मठ है। इसके अतिरिक्त लेह के आसपास आलचरी गोम्पा, चोगमलसार, हेमिस गोम्पा, लामायारू, लीकिर गोम्पा, फियांग गोम्पा, शंकर गोम्पा, शे मठ तथा महल, स्पीतुक मठ, स्तकना बौद्ध मंदिर, थिकसे मठ तथा हेमिस नेशनल पार्क भी देखने योग्य हैं जिनको देखने के लिए ही लोग इस कस्बे में आते हैं जो लेह कस्बे से 2 किमी से 60 किमी की दूरी तक हैं।

हेमिस उत्सव: यह जून में मनाया जाता है। यह प्रत्येक वर्ष गुरु पद्मसंभवा, जिनके प्रति लोगों का मानना है कि उन्होंने स्थानीय लोगों को बचाने के लिए दुष्टों से युद्ध किया था, की याद में मनाया जाता है। इस उत्सव की सबसे खास बात मुखौटा नृत्य है जिसे देखने के लिए देश-विदेश से कई लाख लोग आते हैं।

लोसर: यह प्रति वर्ष बौद्ध वर्ष के ग्यारहवें महीने में मनाया जाता है। यह 15वीं सदी से मनाया जाता है। इसको मनाने के पीछे यही सोच होती है कि युद्ध से पूर्व इसे इसलिए मनाया जाता था क्योंकि न जाने कोई युद्ध में जीवित बचेगा भी या नहीं।

लद्दाख उत्सव: यह प्रत्येक वर्ष अगस्त में मनाया जाता है और इसका आयोजन पर्यटन विभाग की ओर से किया जाता है। इसके दौरान विभिन्न बौद्ध मठों में होने वाले धार्मिक उत्सवों का आनंद पर्यटक उठाते हैं।

करगिल: लद्दाख क्षेत्र का सबसे बड़ा और दूसरा कस्बा करगिल है जो श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच आता है जहां पर दरास, सुरू घाटी, रंगदुम, मुलबेक, जंस्कार, करशा, बुरदान, फुगताल, जोंगखुल आदि स्थान देखने योग्य हैं जो अपनी खूबसूती के लिए प्रसिद्ध हैं। हैं तो यह रहे कुछ आसान नुस्खे

हेल्दी लाइफस्टाइल चाहिए तो अपनाएं नेचरोपथी

सर्दी के मौसम अक्सर लोग गर्म कपड़े पहनने और सावधानियां बरतने के बाद भी मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी, गला खराब, बुखार आदि का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह नेचरोपथी के जरिए अगर आप पोषण से भरपूर डायट खाएं और बैलेंस्ड लाइफस्टाइल जिएं तो सर्दी के मौसम का भी खुलकर आनंद लिया जा सकता है....

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ऑर्गेनिक शहद

ऑर्गेनिक शहद प्रकृति का अमृत है जिसका न सिर्फ स्वाद हमें पसंद आता है बल्कि इसमें विटमिन्स, मिनरल्स और ऐंटिऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं जिससे हमारी इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है और हम सर्दी के मौसम में होने वाली ऐलर्जी से बच जाते हैं।

रक्त साफ करने के लिए सेब का सिरका

सर्दी के मौसम में ऐपल साइडर विनिगर यानी सेब का सिरका भी बेहद फायदेमंद है और यह हेल्थ के साथ ही आपकी ब्यूटी को भी बरकरार रखता है। अगर आपको साइनस की समस्या है तो सेब का सिरका इस समस्या से राहत दिला सकता है। साथ ही ठंड के मौसम में रूखों बालों से परेशान हैं तो सुबह-सुबह पानी के साथ सेब के सिरके का सेवन करें।

ड्राई स्किन के लिए नारियल का तेल

सर्दी के मौसम में एक और सामान्य समस्या है ड्राई स्किन की जो ठंडी हवा चलने की वजह से कई बार पपड़ीदार हो जाती है। ड्राई स्किन का सबसे बेहतर इलाज है नारियल का तेल। ऐंटि-माइक्रोबायल प्रॉपर्टीज से भरपूर नारियल का तेल स्किन को मॉइश्चराइज्ड रखने के साथ ही त्वचा की नमी भी बनाए रखता है जिससे स्किन ड्राई नहीं होती।

शरीर को गर्म रखने के लिए खाएं घी

सर्दी के मौसम में अपनी डायट में ऑर्गैनिक घी को भी शामिल करें। घी, हमारे शरीर को गर्म रखने के साथ ही स्किन की ड्राईनेस की समस्या को भी दूर करकता है।

सर्दी-जुखाम से बचाती है तुलसी की चाय

ठंड के मौसम में अस्थमा के मरीजों की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे लोगों को तुलसी की चाय का सेवन करना चाहिए। तुलसी में मौजूद ऐंटि-बैक्टीरियल गुण अस्थमा से बचाते हैं। साथ ही तुलसी की चाय कलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर हार्ट प्रॉब्लम से भी बचाती है। साथ ही विटमिन् से भरपूर तुलसी, आंखों की रोशनी के लिए भी फायदेमंद है

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**